वर्ष : 33 ▸▸ अंक : 257 ▸▸ पृष्ठ : 8 ▸▸ मुंबई, मंगलवार, 3 दिसंबर 2024 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

फेस पर पेंच

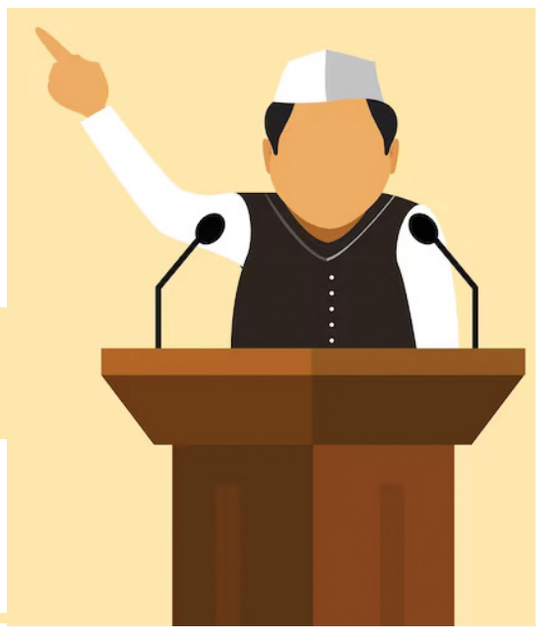

BJP ने विधायक दल की बैठक के लिए नियुक्त किए केंद्रीय पर्यवेक्षक, निर्मला सीतारमण और विजय रुपाणी आज जाएंगे मुंबई

▸▸ भाजपा विधायक दल की बैठक 4 दिसंबर को

▸▸ शिंदे बोले- जनता मुझे मुख्यमंत्री बनाना चाहती है

अमित बृज | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीत हासिल करने वाला महायुति गठबंधन अभी तक सरकार नहीं बना पाया है। नतीजे आने के एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद महायुति ने राज्यपाल के पास सरकार बनाने का दावा पेश नहीं किया है। वहीं कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपनी सभी बैठकें रद्द कर दी हैं। वे ठाणे में घर पर आराम कर रहे हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह दो दिन का मौन रखा था। इसके बाद उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बीजेपी को सत्ता गठन के लिए अधिकतर सुझाव दिए। फिर दिल्ली से लौटने के बाद शिंदे सीधे गांव पहुंचे। वहां रुकने और लौटने के बाद शिंदे ने सभी बैठकें रद्द कर दी हैं। इस बीच कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने एक बार फिर मुख्यमंत्री पद पर उनकी वापसी के लिए एक मजबूत पिच बनाई है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहती है।

बीजेपी निर्मला सीतारमण और विजय रूपाणी आएंगे मुंबई

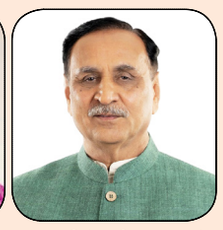

बीजेपी ने महाराष्ट्र विधायक दल की बैठक के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया। केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति को मंजूरी देते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने महाराष्ट्र सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीतारमण और रूपाणी आज मुंबई जाएंगे। केंद्रीय पर्यवेक्षक विधायक दल की बैठक में सीएम के नाम का ऐलान करेंगे।

5 दिसंबर को होगा शपथ ग्रहण समारोह

महाराष्ट्र में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 5 दिसंबर को होगा। इससे पहले भाजपा विधायक दल की बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने बताया है कि महाराष्ट्र में महायुति सरकार का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार, 5 दिसंबर, 2024 को शाम 5 बजे मुंबई के आजाद मैदान में होगा। प्रधानमंत्री मोदी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मंत्री पद के लिए अमित शाह ने मांगा विधायकों का रिपोर्ट कार्ड

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंत्रिमंडल में शामिल होने के इच्छुक विधायकों का रिपोर्ट कार्ड मांगा है. लोकसभा चुनाव के दौरान संबंधित विधायक का प्रदर्शन कैसा रहा, क्या संबंधित व्यक्ति ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव में ईमानदारी से काम किया? ये तो देखना है. यदि कैबिनेट में कोई महत्वाकांक्षी पूर्व मंत्री है, तो संबंधित मंत्री ने महायुति सरकार के दौरान मंत्रालय में कैसे काम किया? संबंधित व्यक्ति मंत्रालय में काम करने के लिए कितना समय दे रहा था. गठबंधन में अपने घटक दल के विधायकों के साथ मंत्री का व्यवहार कैसा था? मंत्री ने केंद्र और राज्य निधि का आवंटन कैसे किया? क्या ऐसी स्थिति थी कि संबंधित मंत्री गठबंधन को संकट में डाल देंगे? क्या उसने कोई विवादास्पद बयान दिया?

फडणवीस सबसे आगे लेकिन...

हालांकि, भले ही कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के दावे के अनुसार, सीएम पद के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम तय हो गया है. जबकि, महायुति के सहयोगी, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, दोनों को उपमुख्यमंत्री पद मिलने की संभावना है.

'बर्गर किंग' नाम के इस्तेमाल पर कोर्ट ने लगाई रोक

पुणे के रेस्टोरेंट के खिलाफ फास्ट फूड कंपनी ने दी थी याचिका, 2011 से चल रहा मामला

मुनीब चौरसिया | मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को अंतरिम आदेश में पुणे के एक रेस्टोरेंट को 'बर्गर किंग' नाम का इस्तेमाल करने से रोक दिया। यह आदेश तब तक लागू रहेगा जब तक कि अमेरिका बेस्ड फर्म बर्गर किंग की ट्रेडमार्क उल्लंघन याचिका पर सुनवाई पूरी नहीं हो जाती। जस्टिस ए.एस. चंदुरकर और राजेश पाटिल की बेंच ने कहा कि बर्गर किंग कॉर्पोरेशन की अपील पर सुनवाई जरूरी है। कोर्ट ने दोनों पार्टिज (बर्गर किंग और रेस्टोरेंट) को आदेश दिया कि वे अपील के निपटारे तक पिछले 10 सालों के ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड और टैक्स डॉक्यूमेंट पेश करने की तैयारी करें। बर्गर किंग के ट्रेडमार्क को लेकर पुणे के रेस्टोरेंट का मामला पहली बार 2011 में कोर्ट में पहुंचा था। पुणे के एक रेस्टोरेंट ने बर्गर किंग नाम का इस्तेमाल किया था, जिसे कंपनी ने अपनी ट्रेडमार्क का उल्लंघन बताते हुए कोर्ट में चुनौती दी थी।

कंपनी ने अगस्त में दायर की थी याचिका

कंपनी ने इसी साल अगस्त में हाईकोर्ट में एक अपील दायर की थी, जिसमें पुणे की एक कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। इसी महीने पुणे की कोर्ट ने रेस्टोरेंट के खिलाफ ट्रेडमार्क उल्लंघन के आरोप वाले मुकदमे को खारिज कर दिया था। बर्गर किंग कॉर्पोरेशन ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर पुणे के रेस्टोरेंट ओनर्स- अनहिता ईरानी और शापूर ईरानी से 'बर्गर किंग' नाम कोर्ट का फैसला आने तक इस्तेमाल ना करने की अपील की थी।

अगस्त में शुरू हुई थी मामले की सुनवाई

अगस्त में हाईकोर्ट ने कंपनी की ओर से फाइल अपील की सुनवाई शुरू की थी। तब हाईकोर्ट ने पुणे कोर्ट के 2012 के अंतरिम आदेश को एक्सटेंड कर दिया था जिसमें रेस्टोरेंट को 'बर्गर किंग' नाम का इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी गई थी। फास्ट-फूड कंपनी ने अपील में कहा कि पुणे के इस रेस्टोरेंट के समान नाम (बर्गर किंग) के चलते उसके रेवेन्यू सहित उसके नाम और रेप्युटेशन को नुकसान हो रहा है।

2011 में खारिज हो गई थी बर्गर किंग की याचिका

इससे पहले 2011 में पुणे की कोर्ट ने बर्गर किंग की ओर से फाइल याचिका को खारिज कर दिया था। तब कोर्ट ने कहा था कि पुणे का यह स्टोर 1992 से ऑपरेट हो रहा है। जबकि इसके 22 साल बाद अमेरिकी कंपनी ने भारत में अपना पहला स्टोर शुरू किया था।

पुलिस पर झूठे केस में फंसाने का आरोप लगाने के बाद शख्स लापता

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक 25 वर्षीय व्यक्ति पुलिस पर झूठे मामले में फंसाने का आरोप लगाकर लापता हो गया। इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, 25 वर्षीय व्यक्ति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट डाला था। जिसमें उसने बताया था कि उसे पुलिस झूठे केस में फंसाने वाली है। हालांकि, इसके बाद से युवक लापता हो गया। उसका कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस ने बताया कि शुभम ओझा ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करके दावा किया कि एक पुलिस अधिकारी द्वारा उसे परेशान किया जा रहा है।

पेट्रोल और डीजल के दाम घटने की उम्मीदें बढ़ीं

नई दिल्ली। सरकार ने तेल कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल, विमानन ईंधन (एटीएफ) और डीजल-पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) को खत्म कर दिया है। सोमवार को वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में इस संबंध में अधिसूचना पेश की। विशेषज्ञों का कहना है कि इस फैसले से तेल कंपनियों का मुनाफा बढ़ेगा और उन पर पेट्रोल-डीजल के दाम घटाने का दबाव भी बनेगा। अधिसूचना ने इस कर का प्रावधान करने वाले 30 जून 2022 के आदेश को रद्द कर दिया है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

स्थिरता विश्वास विकास

आरबीआई द्वारा विनियमित संस्थाओं (आरई)* के विरुद्ध अपनी शिकायतों के निवारण के लिए इन चरणों का पालन करें

1 सबसे पहले आरई के पास अपनी शिकायत दर्ज कराएं

2 पावती/संदर्भ संख्या प्राप्त करें

3 यदि आरई द्वारा 30 दिनों में इसका कोई निवारण नहीं किया जाता है या आप निवारण से संतुष्ट नहीं हैं, तो आप आरबीआई के सीएमएस पोर्टल (cms.rbi.org.in) पर या सीआरपीसी** को डाक द्वारा भेजकर आरबीआई लोकपाल के पास अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं

आरबीआई लोकपाल से सीधे शिकायत दर्ज करने पर वह अस्वीकृत हो सकती है.

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/ios पर विजिट करें
फ़ीडबैक देने के लिए, rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें

*बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां, भुगतान प्रणाली सहभागी, प्रीपेड इन्स्ट्रूमेंट, क्रेडिट सूचना कंपनियां.
**सीआरपीसी: भारतीय रिज़र्व बैंक, सेक्टर 17, चंडीगढ़-160017.

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

8 दिसंबर को राष्ट्रीय पल्स पोलियो मुहिम

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मनपा क्षेत्र के अंतर्गत प्रशासन के मार्गदर्शन सूचनानुसार, सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग की ओर से 8 दिसंबर को राष्ट्रीय पल्स पोलिओ मुहिम किया जायेगा।सभी बच्चों को टीकाकरण नियमित एएफपी सर्वेक्षण व पल्स पोलिओ टीकाकरण मुहिम के अंतर्गत 0 से 5 साल उम्र के सभी बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए यह मुहिम चल रही है। मनपा क्षेत्र के अंतर्गत कुल 1278 बूथ पर टीकाकरण किया जायेगा। इस मुहिम के लिए मनपा के 2556 कर्मचारी कार्य कर रहे है। 0 से 5 साल के 1लाख 78 हजार 824 बच्चों का टीकाकरण किया गया। मनपा की ओर से सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर टीकाकरण मुफ्त में उपलब्ध है।

महारेरा ने अब तक घर खरीदारों से मुआवजे के तौर पर 200 करोड़ रुपए वसूले

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महरेरा अब तक घर खरीदारों से मुआवजे के रूप में 200.23 करोड़ रुपए वसूलने में सफल रही है, इसमें से मुंबई शहर में 46.47 करोड़ रुपए, मुंबई उपनगरों में 76.33 करोड़ रुपए, पुणे में 39.10 करोड़ रुपए। 11.65 करोड़ रुपए, नागपुर 9.65 करोड़ रुपए, रायगढ़ 7.49 करोड़ रुपए, पालघर 4.49 करोड़ रुपए रुपए, संभाजीनगर 3.84 करोड़ रुपए, नासिक 1.12 करोड़ रुपए और चंद्रपुर 9 लाख रुपए महारेरा ने इस संग्रह को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए मुंबई उपनगर और पुणे कलेक्टरेट में सेवानिवृत्त तहसीलदारों को नियुक्त करने का निर्णय लिया है।

सेवानिवृत्त तहसीलदारों को नियुक्त करने का निर्णय

इस वसूली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए, महारेरा ने मुंबई उपनगरीय और पुणे कलेक्टर कार्यालयों में संबंधित कलेक्टरों की मदद से सेवानिवृत्त तहसीलदारों को नियुक्त करने का निर्णय लिया है, जहां संख्या और राशि की तुलना में अधिक मामले हैं। मुंबई उपनगरों में 73 परियोजनाओं की 355 शिकायतों से लगभग 228.12 करोड़ रुपए और पुणे क्षेत्र में 89 परियोजनाओं की 201 शिकायतों से 150.72 करोड़ रुपए की वसूली की जानी बाकी है, इस वसूली की प्रतिक्रिया के आधार पर, महारेरा अन्य कलेक्टर कार्यालयों में भी इसी तरह की नियुक्तियां करने का इरादा रखता है भी।

705.62 करोड़ की वसूली के लिए 1163 वारंट जारी किये गये हैं. इसमें से अब तक 139 परियोजनाओं में कुल 283 वारंट रु. 200.23 करोड़ की वसूली हुई है. गृह खरीददारों की विभिन्न प्रकार की शिकायतों को उचित ढंग से सुनने के बाद संबंधित डेवलपर्स को निर्धारित समय सीमा के भीतर ब्याज/क्षति मुआवजा/रिफंड आदि का भुगतान करने का आदेश दिया जाता है। यदि डेवलपर निर्धारित अवधि के भीतर राशि का भुगतान करता है तो कलेक्टर कार्यालय राशि की वसूली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। क्योंकि इसके लिए, अचल संपत्ति (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 40 (1) के तहत, कलेक्टर कार्यालय को महाराष्ट्र भूमि राजस्व अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार भू-राजस्व के बकाया के रूप में उक्त वसूली की वसूली करने का अधिकार है। इसलिए ऐसे वारंट महारेरा द्वारा संबंधित कलेक्टरों को भेजे जाते हैं।

शातिर चैन चोर को क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

80 हजार रुपए का माल जब्त

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

शहर में बढ़ती चोरी व चैन स्नेचिंग की घटनाओं पर लगाम लगाने की कोशिश पुलिस महकमा कर रहा है। इसी कड़ी में उल्हासनगर क्राइम ब्रान्च की एक टीम ने एक शातिर चैन स्नेचर को गिरफ्तार किया है।भिवंडी के टेमघर में जाल बिछाकर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 80 हजार रुपए का माल बरामद किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी का नाम अशरफ हसीन शेख है और उस पर दो महीने पहले कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में एक महिला की सोने की चैन चोरी का मामला दर्ज किया गया था। इस घटना की जांच के दौरान आरोपी लगातार अपनी जगह बदल रहा था, इसलिए उसे पकड़ने में काफी दिक्कत आ रही थी। हालांकि उल्हासनगर की क्राइम ब्रांच टीम ने मुखबिरों व मोबाइल सर्विलेंस की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी भिवंडी के टेमघर इलाके में रह रहा है, जिसके बाद पुलिस ने एक योजना बनाई। आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाकर अंडरकवर ऑपरेशन चलाया गया। इस कार्रवाई में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके पास से चोरी की बाइक, मोबाइल फोन और अन्य सामग्री समेत करीब 80 हजार रुपए का कीमती सामान जब्त किया गया है।

वायु प्रदूषण नियंत्रण करने के लिए महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल सतर्क

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

शहर में लगातार वायु प्रदूषण बढ़ रहा है जो स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गया है। ठाणे व मुंबई में वायु प्रदूषण अच्छा रहने के लिए महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल सतर्क हो गया है। ठाणे, वसई ,मीरा भाईंदर शहरों में वायु प्रदूषण यंत्र के माध्यम से दिन रात वायु प्रदूषण की गुणवत्ता पर पैनी नजर रखी गई है।

बड़े शहरों में वायु की गुणवत्ता कम हो रही है इसको देखते हुए यह कदम उठाया गया है। धूल, सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे कारकों के कारण स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न हो रही है। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वायु प्रदूषण को कम करने के लिए मनपा की सीमा के भीतर प्रदूषण को मापने वाली निरंतर वायु निगरानी मशीनों की संख्या तीन गुना कर दी है।साथ ही वायु प्रदूषण मापने वाली मोबाइल वैन भी ठाणे, वसई, मीरा भायंदर, नवी मुंबई, मुंबई जैसे नगर पालिकाओं की सीमा के भीतर दौड़ रही हैं। इसके लिए तीन नई मोबाइल वैन खरीदी गई हैं, जिन्हें अलग-अलग इलाकों में वायु प्रदूषण जांचने के लिए भेजा जा रहा है। वायु प्रदूषण की जांच के लिए वसई मनपा की सीमा में एक मशीन लगाई गई है और तीन मशीनें लगाई जाने वाली हैं। इसी तरह, मीरा-भायंदर मनपा की सीमा में सुभाष चंद्र बोस मैदान में एक यंत्र स्थापित किया गया था, साथ ही शहर में तीन और यंत्र स्थापित किए जाने वाले हैं।

छोटे व्यवसायियों के लगे अवैध बैनर होर्डिंग पर कार्रवाई

नेताओं के शुभेच्छा बैनरों पर खुली छूट

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी मनपा प्रशासक तथा आयुक्त अजय वैद्य के आदेश पर मनपा क्षेत्र में अवैध निर्माणों के साथ ही शहर में लगे अवैध बैनर होर्डिंगों पर अधिकारियों ने कार्रवाई तेज कर दी है। विगत दो दिनों में मनपा के दो प्रभाग समितियों के सहायक आयुक्त ने शहर में अवैध रूप से बैनर लगाने वाले कुल 18 लोगों के खिलाफ विभिन्न पुलिस स्टेशनों में केस दर्ज कराया है। इस कार्रवाई से अवैध निर्माणकर्ताओं सहित बिना अनुमति के बैनर होर्डिंग लगाने वालों में हड़कंप मच गया है। मगर शहर में लगे नेताओं के अवैध शुभेच्छा बैनरों पर मनपा पर अनदेखी का आरोप नागरिकों द्वारा लगाया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रभाग समिति एक के सहायक आयुक्त राजेंद्र वर्लीकर व उनकी टीम ने सोमवार शाम 5 बजे के करीब नागांव इलाके में तीन अवैध बैनर लगाने वालों के खिलाफ शांतिनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है। उक्त कार्रवाई के बाद शहर में तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गरम है। जागरूक नागरिकों का आरोप है कि मनपा द्वारा केवल छोटे व्यवसाय के लगे विज्ञापन बैनरों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है जबकि विधानसभा चुनाव समाप्त हो जाने के बावजूद शहर के बड़े नेताओं को शुभेच्छा देने वाले बैनरों पर मनपा के अधिकारियों की नजर नहीं पड़ रही है या वे कार्रवाई करने से कतरा रहे है। नागरिकों का कहना है कि जब नियम सभी के लिए बराबर है तो मनपा द्वारा बैनरों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई में भेदभाव क्यों ? इस तरह का प्रश्न भिवंडीकरों द्वारा उठाए जा रहे है।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि 1) श्रीमती पुरन बेहराम इरानी, 2) श्री शाहरीयार बेहराम अत्ताई (उर्फ शाहरीयार बेहराम इरानी), 3) श्री एज़ादियार बेहराम अत्ताई (उर्फ एज़ादियार बेहराम इरानी) और 4) श्रीमती तौबम फरेडून इरानी ने नीचे दी गई सूची में अधिक विशिष्ट रूप से वर्णित संपत्ति को बेचने पर सहमति दी है ('उक्त संपत्ति')। कोई भी व्यक्ति जिसे उक्त संपत्ति के संबंध में विक्रय, विनिमय, बंधन, शुल्क, उपहार, ट्रस्ट, रखरखाव, वारसाहक, कब्जा, पट्टे, किराये, ऋण, लाइसेंस या किसी ट्रस्ट के तहत लाभकारी अधिकार / हित, लिखित अधिकार, प्रिवेशन, किसी समझौते या अन्य वितरण या किसी न्यायालय या विधायी प्राधिकरण द्वारा पारित आदेश, निर्णय या पुरस्कार के तहत कोई दावा हो, वह व्यक्ति कृपया सभी सहायक दस्तावेजों की नोटरीकृत प्रतियों के साथ उक्त दावा लिखित रूप में, नीचे दिए गए कार्यालय पते पर 21 (इक्कीस) दिनों के भीतर सूचित करने का अनुरोध किया जाता है, अन्यथा यह |माना जाएगा कि ऐसा कोई दावा अस्तित्व में नहीं है और यदि ऐसा दावा कानूनी रूप से या अन्यथा अस्तित्व में है, तो यह माना जाएगा कि दावेदार ने अपना दावा त्याग दिया है और / या बिना शर्त और |अपरिवर्तनीय रूप से अपना अधिकार त्याग दिया है।

सूची

| सभी वह भूमि या भूखंड जिसका क्षेत्रफल लगभग 280 वर्ग गज (220.40 वर्ग मीटर) है, साथ ही उस पर | स्थित इमारत / संरचना जिसे " इरानी हाउस " (" उक्त इमारत ") के नाम से जाना जाता है, जो संतोष नगर, प्लॉट नंबर 7, हिल रोड, बांद्रा पुलिस स्टेशन के सामने, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई 400050 में स्थित है और | जिसे नगरपालिका दर और कर मूल्यांकनकर्ता द्वारा H / W वार्ड के तहत मूल्यांकित किया गया है। उक्त भूमि और उक्त इमारत को एक साथ " उक्त संपत्ति" के रूप में संदर्भित किया जाता है।

सही / -
वकील पावनी चड्ढा
पता: 102, यूसुफ बिल्डिंग, एमजी रोड, फोर्ट, मुंबई 400001.
दिनांक: 30 नवंबर 2024 ईमेल: paavani.chadha@gmail.com

मध्य रेल

एसी-डीसी सीमेंस रेक के 3-फेस एसी ट्रैक्शन मोटर टाईप 1TB2022-OTA03 के डेफेक्टिव रोटर की मरम्मत। मात्रा: 260 नग

उप. मुख्य विद्युत अभियंता (ईएमयु), दूसरी मंजील, नवीन प्रशासकीय भवन, सवारी कारखाना, मध्य रेल्वे, माटुंगा, मुंबई-19, "**एसी-डीसी सीमेंस रेक के 3-फेस एसी ट्रैक्शन मोटर टाईप 1TB2022-OTA03 के डेफेक्टिव रोटर की मरम्मत। मात्रा: 260 नग**" कार्य के लिये ई-निविदा आमंत्रित करते है। **अनुमानित लागत:** रु. 2,96,74,359.52/-, **ईएमडी:** रु. 2,98,400/-, **निविदा प्रपत्र शुल्क:** शून्य, **समापन अवधी:** 36 माह, **निविदा जमा करने की समाप्ति दिनांक एवं समय:** 27.12.2024, 12.30 बजे। निविदा केवल इ-टेंडरिंग फॉरमॅट मे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। निविदा पुस्तिका वेबसाइट पर उपलब्ध है। निविदा संख्या: ईएमयु/वर्क्स/टीएम/आर-सीमेंस/01/07-24/आरटी।

उमुविई(ईएमयु)/पीओएच/माटुंगा 580

DOWNLOAD UTS APP FOR TICKETS

पश्चिम रेलवे

संचालन एवं रखरखाव कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिमी रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400 008,आमंत्रित करता है **क्र.नं:1. ई-निविदा सूचना संख्या: बीसीटी/24-25/222 दिनांक 29/11/2024. कार्य एवं स्थान: मुंबई सेंट्रल** - डीआरएम कार्यालय, स्काईस्क्रेपर, जे.आर. अस्पताल, जीएलओ बिल्डिंग, चर्चगेट स्टेशन बिल्डिंग, पी-ब्लॉक (बधवारपार्क) और डी-ब्लॉक (पाली हिल) में स्थापित अग्निशमन प्रणाली का संचालन एवं रखरखाव, जो डीईएन (एस्टेट/दक्षिण) मुंबई सेंट्रल के अधिकार क्षेत्र में 12 महीने के लिए है (शेष राशि). **कार्य की अनुमानित लागत:**1,15,13,735.21. **ईएमडी:** 2,07,600. **क्र.नं: 2. ई-टेंडर नोटिस संख्या: BCT/24-25/223 दिनांक 29/11/2024. कार्य और स्थान: कोलाबा-बधवारपार्क:** 'पी' ब्लॉक में रसोई की मरम्मत और सीढ़ियों आदि की मरम्मत. **कार्य की अनुमानित लागत:** 1,93,09,237.09. **ईएमडी:** 2,46,600.**दोनों निविदाएं प्रस्तुत करने की तिथि और समय:** 24.12.2024, 15:00 बजे तक. **खुलने की तिथि और समय:** 24.12.2024 को 15:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं। 0786

लाइक करें : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

मुंबई डिवीजन में सामान्य पे एंड यूज शौचालय ब्लॉक का संचालन और रखरखाव

मुंबई डिवीजन में सामान्य पे एंड यूज शौचालय ब्लॉक का संचालन और रखरखाव हेतु अनुबंध के लिए ई-नीलामी **एसीएम (आर) - एमएमसीटी** द्वारा आमंत्रित की गई है।

अनुबंध का प्रकार: सामान्य अनुबंध, श्रेणी: भुगतान और उपयोग शौचालय ब्लॉक.

नीलामी सूची संख्या: MMCT-PnUT-24-32			
स्टेशन और स्थान	**अनुबंध अवधि**	**ई-नीलामी की तिथि**	**ई-नीलामी का समय**
बांद्रा स्टेशन पीएफ नंबर 4/5 उत्तर छोर	3 महीने	12-12-2024	12:00 बजे.
नीलामी सूची संख्या: MMCT-PnUT-24-34			
स्टेशन और स्थान	**अनुबंध अवधि**	**ई-नीलामी की तिथि**	**ई-नीलामी का समय**
विले-पार्ले, अंधेरी, जोगेश्वरी, गोरेगांव, मलाड, कांदिवली स्टेशन	3 वर्ष	17-12-2024	12:00 बजे.

नोट: संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे **IREPS वेबसाइट: www.ireps.gov.in** पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट के अनुसार विवरण उल्लिखित सूची के अंतर्गत उपलब्ध हैं। आरंभिक कूलिंग ऑफ अवधि 30 मिनट है। क्रमिक लॉट समापन अंतराल 10 मिनट है। लॉट के अनुसार समापन समय IREPS के ई-नीलामी मॉड्यूल में देखा जा सकता है। 0783

लाइक करें : facebook.com/WesternRly • फॉलो करें : X.com/WesternRly

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA/CO/OW/ 2024 /62592 सहकार कक्ष, झो.पु.प्रा., मुंबई
जा.क्र. झोपुप्रा/सहा. नि/टे.सी. 6/ सन 2024 दिनांक : 27.11.2024

-: नोटीस :-

मंगलमुर्ती एसआरए सहकारी गृहनिर्माण (नियो.), सीटीएस नं. १३१ (पार्ट), १३१/१ ते ५०, १३१/ ५२ ते ८४ व्हिलेज कुर्ला, मॅच फॅक्टरी लेन, कुर्ला (पश्चिम), मुंबई - ४०० ०७० या संस्थेचे उपजिल्हाधिकारी (अति/निष्का), तथा सक्षम प्राधिकारी, कुर्ला, अप्पर जिल्हाधिकारी (अति/निष्का), पुर्व उपनगरे व सक्षम प्राधिकारी - ०९ यांनी निर्गमित केलेले असून सदरील परिशिष्ट - २ मध्ये पात्र असणा या झोपडीधारकांची सहकारी गृहनिर्माण संस्था नोंदणी करण्यासाठी आवश्यक असणारी नोंदणीपूर्व सभा घेण्यासाठी मा. सहाय्यक निबंधक (पुर्व व पश्चिम उपनगरे), झो.पु.प्रा. यांच्या दिनांक. १७/१०/२०२४ रोजीच्या आदेशान्वये माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणून नियुक्ती करण्यात आलेली आहे.

त्याअनुषंगाने या नोटीसव्दारे पात्र झोपडीधारकांच्या नाव आरक्षणाबाबतची सभा **दि. १०/१२/२०२४ रोजी दुपारी ०३.०० वाजता स्थळ:- रोहीदास सुधारक मंडळ कुर्ला, रोहीदास सभागृह, लाल बहादूर शास्त्री मार्ग, कुर्ला कोर्ट समोर, कुर्ला, मुंबई** - ४०० ०७० येथे आयोजित करण्यात आलेली आहे. सदरील सभेत खालील विषयावर चर्चा होवून निर्णय घेण्यात येणार आहे.

-: सभेचे विषय :-

१) मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची निवड करणे.
२) नियोजित संस्थेच्या नावास मान्यता घेणे व नांव आरक्षण प्रस्ताव दाखल करणेबाबत निर्णय घेणे.
३) संस्थेसाठी नविन उपविधी स्विकारण्यासाठी मंजूरी देणे.
४) संस्थेच्या नोंदणी प्रस्तावावर सहया करण्यासाठी मुख्यप्रवर्तक यांना अधिकार देणे.
५) भाग भांडवल व प्रवेश फी जमा करणेबाबत निर्णय घेणे.
६) संस्थेचे बँक खाते उघडण्यास मुख्यप्रवर्तक यांना प्राधिकृत करणे.
७) मागाहून पात्र होणा या झोपडीधारकांना संस्थेचे सभासद करून घेणे अथवा अपात्र झोपडीधारकांचे सभासदत्व रद्द करण्याचे अधिकार कार्यकारी मंडळास देणे.

सही/-
(अरूण जाधव)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी,श्रेणी-1, झोपुप्रा, मुंबई

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : 27/11/2024

सुचना :

* मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक निवडणूकीचा कार्यक्रम खालीलप्रमाणे राहील.

अ.क्र.	वेळ	विषय
१)	सभेच्या दिलेल्या वेळेपासून २ तास	मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांच्यासाठी नामनिर्देशन अर्ज दाखल करणे.
२)	१५ मिनिटे	आलेल्या अर्जांची छाननी करणे.
३)	१५ मिनिटे	नामनिर्देशन पत्र परत घेणे.
४)	१५ मिनिटे	पॅनलची मागणी करणे.
५)	पुढील अर्धातास	चिन्ह वाटप करणे.

* मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक या पदासाठीचे विहीत अर्ज प्राधिकृत अधिकारी यांच्याकडे उपलब्ध असतील.
* मुख्यप्रवर्तक पदासाठी एक मतपत्रिका व प्रवर्तक मंडळातील सदस्यांसाठी एक मतपत्रिका अशा एकूण ०२ मतपत्रिका राहतील.
* विषय पत्रिकेवरील विषय क्र. १ नुसार मुख्यप्रवर्तकाची निवड होईपर्यंत सभेचे प्राधिकृत अधिकारी अध्यक्ष म्हणून काम पाहतील त्यानंतर मुख्यप्रवर्तक हे सभाअध्यक्ष म्हणून काम पाहतील. (सदरील सभेत विषय पत्रिकेवर दिलेल्या विषयाशिवाय अन्य विषयावर चर्चा करता येणार नाही)
* सभेस नियोजित संस्थेच्या मंजूर परिशिष्ट - २ मधील पात्र झोपडीधारक पती / पत्नी या दोघांपैकी एकाच व्यक्तीस उपस्थित राहता येईल. इतर नातेवाईकांना अथवा प्रतिनिधींना उपस्थित राहता येणार नाही.
* मंजूर परिशिष्ट - २ मधील व्यक्तींनी स्वतःची ओळख होईल अशा ओळखपत्रासह (आधार कार्ड / निवडणूक ओळखपत्र / पॅनकार्ड इत्यादी) उपस्थित रहावे.
* संस्थेच्या पात्र सभासदांना सभागृहात प्रवेश देते वेळी त्यांनी त्यांची ओळख पटवून सभेच्या उपस्थिती नोंदवहीत स्वाक्षरी करुन व बायोमॅट्रीक पध्दतीने उपस्थिती नोंदविल्यानंतरच सभागृहात प्रवेश दिला जाईल.
* सभेच्या कामकाजाचे प्राधिकरणामार्फत व्हिडीओ चित्रिकरण करण्यात येईल.
* मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची एकूण संख्या सहकारी गृहनिर्माण संस्थांच्या आदर्श उपविधीमध्ये निश्चित केल्याप्रमाणे राहील.

मुंबई झोपडपट्टी सुधार मंडळ

(महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी की एक क्षेत्रीय इकाई)

म्हाडा MHADA

टेली. नं.022-66405432, ई-मेल -eewest.msib@mhada. gov.in

संदर्भ नं. ईई/पश्चिम/एमएसआईबी/ई-निविदा/162/2024-25

ई- निविदा सूचना क्रमांक.162

कार्यकारी अभियंता (पश्चिम) डिवीजन, मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल, (म्हाडा की इकाई) कमरा नंबर 537, चौथी मंजिल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई 400 051 फोन नंबर (022) 66405432 द्वारा खुली निविदा /नियमित ई-निविदा 2 काम की संख्या के लिए बी1 (प्रतिशत दर) के रूप में पीडब्ल्यूडी / म्हाडा / सीपीडब्ल्यूडी / सिडको / एमईएस / एमजेपी / एमआईडीसी / भारतीय रेलवे / बीपीटी / एमसीजीएम के साथ पंजीकृत ठेकेदारों या किसी सरकारी/अर्धसरकारी संगठन या ठेकेदार के अनुरूप उपयुक्त वर्ग में, वाया ऑनलाइन ई-निविदा प्रणाली आमंत्रित कर रहा है। विस्तृत निविदा दस्तावेज उपलब्ध होंगे और डाउनलोड किया जा सकेगा महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल **https://mahatenders.gov.in,** पर, बोली दस्तावेज वेबसाइट पर लोड किए जा सकते हैं। निविदा अनुसूची इस प्रकार है।

अनु. क्र.	चरण विवरण	समय अवधि की तिथि	अनु. क्र.	चरण विवरण	समय अवधि की तिथि
1.	दस्तावेजों की बिक्री शुरू	03/12/2024 सुबह 10.30 बजे.	2.	दस्तावेज बिक्री समाप्त	17/12/2024 को दोपहर 03.00 बजे.
3.	तकनीकी बोली खोलना	18/12/2024 सुबह 03.05 बजे के बाद	4.	मूल्य बोली खोलना	20/12/2024 सुबह 10.30 बजे के बाद

सक्षम प्राधिकारी के पास बिना कोई कारण बताए किसी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है, सशर्त प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
Note.1 कृपया वेबसाइट पर विस्तृत निविदा सूचना देखें।
Note.2 शुद्धिपत्र/संशोधन यदि कोई हो तो केवल वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा सकता है।

Follow us:@mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/1022

हस्ता/
कार्यकारी अभियंता (डब्ल्यू),
एम.एस आई बी बोर्ड, मुंबई

म्हाडा-गृह निर्माण क्षेत्र की अग्रणी संस्था

महापरिनिर्वाण दिवस पर 12 अतिरिक्त विशेष लोकल ट्रेन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेल भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर अनुयायियों के लाभ के लिए 5/6.12.2024 की मध्यरात्रि (गुरुवार-शुक्रवार मध्यरात्रि) को परेल-कल्याण और कुर्ला-पनवेल स्टेशनों के बीच 12 अतिरिक्त लोकल विशेष ट्रेनें चलाएगी। यह सभी विशेष ट्रेनें सभी स्टेशनों पर रुकेंगी।

चलने वाली ट्रेनों का विवरण

मेन लाइन - अप स्पेशल - परेल-कल्याण ब्लॉक

कुर्ला-परेल स्पेशल कुर्ला से 00.45 बजे प्रस्थान करेगी और 01.05 बजे परेल पहुंचेगी। कल्याण-परेल स्पेशल कल्याण से 01.00 बजे प्रस्थान करेगी और 02.15 बजे परेल पहुंचेगी। ठाणे-परेल स्पेशल ठाणे से 02.10 बजे प्रस्थान करेगी और 02.55 बजे परेल पहुंचेगी।

मेन लाइन - डाउन स्पेशल - कल्याण-परेल सेक्शन

परेल-ठाणे स्पेशल परेल से 01.15 बजे प्रस्थान करेगी और 01.55 बजे ठाणे पहुंचेगी। परेल-कल्याण स्पेशल परेल से 02.25 बजे प्रस्थान करेगी और 03.40 बजे कल्याण पहुंचेगी। परेल-कुर्ला स्पेशल परेल से 03.05 बजे प्रस्थान करेगी और 03.20 बजे कुर्ला पहुंचेगी।

हार्बर लाइन - अप स्पेशल - पनवेल-कुर्ला सेक्शन

वाशी-कुर्ला स्पेशल वाशी से 01.30 बजे प्रस्थान करेगी और 02.10 बजे कुर्ला पहुंचेगी। पनवेल-कुर्ला स्पेशल पनवेल से 01.40 बजे प्रस्थान करेगी और 02.45 बजे कुर्ला पहुंचेगी। वाशी-कुर्ला स्पेशल वाशी से 03.10 बजे प्रस्थान करेगी और 03.40 बजे कुर्ला पहुंचेगी।

हार्बर लाइन - डाउन स्पेशल - कुर्ला-पनवेल सेक्शन

कुर्ला-वाशी स्पेशल - कुर्ला से 02.30 बजे प्रस्थान करेगी और 03.00 बजे वाशी पहुंचेगी।कुर्ला-पनवेल स्पेशल कुर्ला से 03.00 बजे प्रस्थान करेगी और 04.00 बजे पनवेल पहुंचेगी।कुर्ला-वाशी स्पेशल कुर्ला से 04.00 बजे प्रस्थान करेगी और 04.35 बजे वाशी पहुंचेगी।

यात्रियों को प्रतिदिन 1 लाख बेड रोल प्रदान करती है पश्चिम रेलवे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय रेल यात्रियों को स्वच्छता और सफाई के उच्चतम मानकों को प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, खासकर जब बात बेडरोल और कंबल की हो। सभी बेडरोल और कंबलों को आधुनिक धुलाई तकनीकों का उपयोग करके नियमित अंतराल पर सावधानीपूर्वक धोया और साफ किया जाता है। हर दिन पश्चिम रेलवे अपने ऑन-बोर्ड यात्रियों को 1 लाख बेड रोल प्रदान करती है जो प्रतिदिन 1,00,000 होटल कमरों में लिनन आपूर्ति के बराबर है और इसकी तुलना 1000 सौ कमरों वाले होटलों में लिनन आपूर्ति से की जा सकती है।

एसी कोचों में कंबल की सफाई के तरीकों में सुधार

रेलवे ने एसी कोचों में कंबल की सफाई के तरीकों को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसमें यात्रियों की स्वच्छता और आराम को प्राथमिकता दी गई है। 2010 में जो सफाई अंतराल तीन महीने का था, उसे अब घटाकर सिर्फ़ 15 दिन कर दिया गया है। लॉजिस्टिक चुनौतियों वाले क्षेत्रों में, यह अंतराल 20-30 दिनों तक बढ़ सकता है। इसके अलावा नेफ़थलीन + गर्म हवा से स्टरलाइज़ेशन भी किया जाता है। यह सक्रिय दृष्टिकोण आम घरेलू प्रथाओं से बिल्कुल अलग है, जहां कंबलों को अक्सर धोया नहीं जाता है और अक्सर मौसम के हिसाब से ही धूप में सुखाया जाता है। सर्वोत्तम स्वच्छता और आराम सुनिश्चित करने के लिए यात्रियों को दो चादरें भी प्रदान की जाती हैं - एक बिछाने के लिए और दूसरी कम्बल के साथ ओढ़ाने के लिए।

कंबल और बेडशीट की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, वर्ष 2018 से ऊनी कंबलों की सेवा अवधि चार वर्ष से घटाकर दो वर्ष कर दी गई है, जो गुणवत्ता पर अधिक ध्यान देने को दर्शाता है। बेडशीट सहित सभी लिनन को हर बार उपयोग के बाद धोया जाता है और खराब आइटम न देने के लिए उसकी स्थिति के आधार पर बदल दिया जाता है। प्रत्येक लिनन आइटम पर एक बुना हुआ लोगो होता है जो उसके रेलवे ज़ोन और खरीद की तारीख को दर्शाता है, जिससे पता लगाने की क्षमता और गुणवत्ता आश्वासन में वृद्धि होती है। भारतीय रेल एसी कोच का तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास बनाए रखता है, जिससे अक्सर कंबल की आवश्यकता कम हो जाती है, जबकि बेडशीट यात्रियों की ज़रूरतों को पर्याप्त रूप से पूरा करती है।

पश्चिम रेलवे में मशीनीकृत लॉन्ड्री सुविधाएं

इस दिशा में आगे बढ़ते हुए, मुंबई और अहमदाबाद सहित कई स्थानों पर पश्चिम रेलवे में मशीनीकृत लॉन्ड्री सुविधाएं बेडशीट, तकिया कवर, फेस टॉवल और कंबल के स्वच्छ और स्वास्थ्यकर स्टॉक को बनाए रखे हैं। कुल एक लाख बेडरोल यानी 2 लाख बेडशीट, 1 लाख तकिया कवर और फेस टॉवल और 80,000 कंबल प्रतिदिन पश्चिम रेलवे की ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों द्वारा उपयोग किए जाते हैं।

'हल्के में कैसे ले सकते हैं'

बदलापुर मामले के आरोपी की मौत मामले में CID को कोर्ट की फटकार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने बदलापुर स्कूल दुष्कर्म मामले के आरोपी की गोलीबारी में हत्या की जांच को लेकर राज्य के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि सीआईडी ने मामले की जांच को हल्के में लिया है और जांच के दौरान कुछ महत्वपूर्ण जानकारी छिपाने की कोशिश की जा रही है। अदालत ने कहा कि सभी मामलों में निष्पक्ष जांच की जरूरत होती है और सीआईडी के इस मामले में किए गए आचरण से शक पैदा होता है। इसके यह गलत संदेश जाता है कि वह न्यायिक जांच के दौरान पूरी जानकारी नहीं दे रही है।

विज्ञापन यह मामला आरोपी अक्षय शिंदे (24 वर्षीय) से जुड़ा है, जिसे बदलापुर इलाके में दो नाबालिग लड़कियों से दुष्कर्म के आरोप में अगस्त में गिरफ्तार किया गया था। उसे 24 सितंबर को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया था। उच्च न्यायालय ने सीआईडी की कार्यशैली पर सवाल उठाया और कहा कि इस मामले में स्थानीय पुलिस से सीआईडी को इसलिए स्थानांतरित किया गया था, क्योंकि सीआईडी अधिक सक्षम मानी जाती है।

'मेडिकल दस्तावेज सही तरीके से एकत्र क्यों नहीं किए?'

उच्च न्यायालय ने कहा, राज्य सीआईडी इसे इतने हल्के में कैसे ले सकती है? यह एक अत्यंत गंभीर मामला है, जिसमें आरोपी की हिरासत में मौत हुई है। सीआईडी से क्या उम्मीद की जा सकती है? न्यायालय ने यह भी पूछा कि मेडिकल दस्तावेज क्यों सही तरीके से एकत्र नहीं किए गए।

अदालत ने सीआईडी की कार्यशैली पर जताई नाराजगी

सीआईडी की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए अदालत ने कहा, आपकी लापरवाही के कारण ही अब हम इस पर सवाल उठा रहे हैं। आप ठीक से जांच क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या जानबूझकर जानकारी को मजिस्ट्रेट से छिपाया जा रहा है? अदालत ने कहा कि सभी दस्तावेजों को ठीक से एकत्र करके मजिस्ट्रेट को सौंपा जाना चाहिए, ताकि जांच सही तरीके से हो और रिपोर्ट सही समय पर पेश की जा सके।

आरोपी के पिता ने लगाया था फर्जी मुठभेड़ का आरोप

आरोपी अक्षय शिंदे के पिता अन्ना शिंदे ने उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके बेटे की फर्जी मुठभेड़ में हत्या की गई।

20 जनवरी को मामले की अगली सुनवाई

पुलिस के मुताबिक, अक्षय शिंदे को 24 सितंबर को तलोजा जेल से ठाणे ले जाया जा रहा था। अक्षय ने पुलिस वैन में एक पुलिसकर्मी से पिस्तौल छीनी और उस पर गोली चलाई, जिससे पुलिसकर्मी घायल हुआ। जवाब में एक अन्य पुलिसकर्मी ने गोली चलाई, जिससे शिंदे की मौत हो गई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 20 जनवरी 2025 को तय की है। उस दिन मजिस्ट्रेट को अदालत में अपनी रिपोर्ट पेश करनी होगी।

'महाराष्ट्र में पोस्टल बैलेट और ईवीएम के नतीजों में विसंगतियां'

शिवसेना यूबीटी विधायक का दावा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से विपक्ष सिर्फ एक ही राग अलाप रहा है, वो है ईवीएम के नतीजे पर अविश्वास। दरअसल विधानसभा चुनाव में विपक्ष का प्रदर्शन काफी बदतर रहा, जिसमें उसे 288 विधानसभा सीटों में से मात्र 46 सीटों पर जीत हासिल कर सकी है। इसके बाद से ईवीएम उसके निशाने पर है। अब वांद्रे पूर्व विधानसभा सीटे से नवनिर्वाचित शिवसेना यूबीटी विधायक वरुण सरदेसाई ने मोर्चा संभालते हुए दावा किया है कि, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पोस्टल बैलेट और ईवीएम के नतीजों में विसंगतियां हैं।

'आंकड़े कई संदेह पैदा करते हैं इनका समाधान जरूरी'

उन्होंने आगे कहा, जबकि मैं सीधे आरोप नहीं लगा रहा हूं, आंकड़े कई संदेह पैदा करते हैं, जिनका समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि डाक मतपत्र, जो बड़े पैमाने पर सैनिकों, वरिष्ठ नागरिकों, आवश्यक सेवा श्रमिकों और सरकारी कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, आम तौर पर अपने निर्वाचन क्षेत्रों में समग्र मतदाता भावना के अनुरूप होते हैं। वरुण सरदेसाई ने कहा, पोस्टल बैलेट के रुझान 2019 के लोकसभा चुनावों (जब महाराष्ट्र में एमवीए ने 48 में से 30 सीटें जीती थीं) में ईवीएम के नतीजों के अनुरूप थे।

यूबीटी विधायक ने चुनाव आयोग से मांगा जवाब

महाराष्ट्र में पहली बार चुनाव लड़कर वांद्रे पूर्व विधानसभा सीट पर एनसीपी के जीशान सिद्दीकी को हराकर जीत हासिल करने वाले वरुण सरदेसाई ने मतदान के अंतिम दो घंटों के दौरान मतदान में संदिग्ध बढ़ोतरी का भी दावा किया और इस मामले में चुनाव आयोग से जवाब मांगा। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग के आधिकारिक डेटा में सांख्यिकीय विसंगतियां देखी गई हैं, और अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही का आह्वान किया।

चुनाव आयोग से समाधान की मांग

इस दौरान उन्होंने कोल्हापुर दक्षिण, तिवसा और घाटकोपर पूर्व निर्वाचन क्षेत्रों का भी जिक्र किया, जहां एमवीए उम्मीदवारों ने डाक मतपत्रों में आगे रहते हुए ईवीएम की गिनती में महत्वपूर्ण गिरावट देखी। उन्होंने कहा, यह कैसे संभव है कि लगभग हर मामले में, एमवीए उम्मीदवारों ने डाक से ईवीएम परिणामों में 5 से 15 प्रतिशत की गिरावट का अनुभव किया, जबकि महायुति उम्मीदवारों ने समान बढ़ोतरी देखी?

ईवीएम परिणामों में 18 प्रतिशत की गिरावट: सरदेसाई

वरुण सरदेसाई ने आगे दावा किया कि शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे को मुंबई के वर्ली निर्वाचन क्षेत्र में 874 पोस्टल वोट और 62,450 ईवीएम वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी मिलिंद देवड़ा को 522 पोस्टल वोट और 54,001 ईवीएम वोट मिले। उनके अनुसार, यह स्पैटर्नर शिवसेना (यूबीटी) से आगे तक फैला हुआ है। उन्होंने कहा, कांग्रेस नेता नाना पटोले डाक मतपत्रों में 54 प्रतिशत से आगे थे, लेकिन ईवीएम की गिनती में 12.7 प्रतिशत की जल्द गिरावट देखी गई। इसी तरह, एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल, जिनके पास 70 प्रतिशत डाक मत थे, ने ईवीएम परिणामों में 18 प्रतिशत की गिरावट का अनुभव किया, सरदेसाई ने कहा, यह प्रवृत्ति पिछले चुनावों में कभी नहीं देखी गई थी।

झूठे आरोपों को अब बर्दाश्त नहीं करेगा चुनाव आयोग

महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कानूनी कार्रवाई की दी चेतावनी

मुंबई। महाराष्ट्र में जब से महाविकास अघाड़ी ने करारी हार देखी है, तब से विपक्षी नेता इन नतीजों के लिए चुनाव आयोग और ईवीएम मशीन में गड़बड़ी के आरोप लगा रहे है। अब तक चुनाव आयोग ने इस पर कुछ नहीं कहा था। लेकिन अब आगे चुनाव आयोग इस तरह के आरोपों को बर्दाश्त नहीं करेगा। महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी एस चोकलिंगम ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ के बारे में झूठे दावे या आक्षेप फैलाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। महाविकास अघाड़ी नेताओं द्वारा हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों के बीच उनका यह बयान आया है।

सख्ती से निपटा जाएगा

चोकलिंगम ने रविवार को इस बात पर जोर दिया कि इन मामलों को सनसनीखेज बनाने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटा जाएगा क्योंकि अधिकारी इस मुद्दे की जांच तेज कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने कथित तौर पर विदेश में रहने वाले सैयद शुजा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है और मामले को आगे बढ़ाने के लिए संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजा है।

दिल्ली और मुंबई पुलिस सक्रिय रूप से जांच कर रही है और भारत में ऐसे किसी भी व्यक्ति की पहचान करने और उसे पकड़ने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है जो ऐसे व्यक्तियों के संपर्क में है या इन दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों में शामिल है। अधिकारी ने जोर देकर कहा कि इस तरह की हरकतें गंभीर अपराध हैं और इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

जयंत पाटिल ने जताई थी चिंता

इससे पहले, महाराष्ट्र एनसीपी (शरद पवार गुट) के प्रमुख जयंत पाटिल ने हाल के विधानसभा चुनावों में ईवीएम के इस्तेमाल पर चिंता जताई थी और शाम 5 बजे के बाद मतदान में वृद्धि पर सवाल उठाया था। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास बहाल करने के लिए मतपत्रों की वापसी की मांग की।

"भले ही हमारी संख्या कम हो, लेकिन हम सवाल उठाते रहेंगे। हाल के चुनावों में महाराष्ट्र में शाम 5 बजे के बाद मतदान में वृद्धि हुई। यह चिंता का विषय है। हालांकि ईवीएम एक सरल कैलकुलेटर है, लेकिन यह रात में स्वचालित रूप से वोटों की संख्या बढ़ा देता है। यह एक गंभीर मुद्दा है जिसे संबोधित किया जाना चाहिए। पाटिल ने कहा कि ऐसा लगता है कि भारत का चुनाव आयोग कुछ छिपा रहा है।"

मतपत्रों के इस्तेमाल पर दिया था जोर

मतपत्रों की वापसी की मांग करते हुए उन्होंने कहा, "ईवीएम की जगह मतपत्रों को लाया जाना चाहिए क्योंकि वे लोगों का सिस्टम में विश्वास भी बहाल करेंगे। अगर लोगों को सिस्टम पर भरोसा नहीं होगा तो मतदान प्रतिशत में गिरावट आएगी।" बता दें, कि हाल ही में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को करारा झटका लगा है। कांग्रेस को 288 विधानसभा सीटों में से सिर्फ 16 सीटें मिली हैं। इसके गठबंधन सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) को 20 सीटें मिली हैं, जबकि एनसीपी (शरद पवार गुट) को सिर्फ 10 सीटें मिली हैं।

श्रीकांत शिंदे डिप्टी सीएम नहीं बनेंगे

मुंबई। महाराष्ट्र के कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे के बेटे और शिवसेना के सांसद श्रीकांत शिंदे ने डिप्टी सीएम बनने की खबरों को विराम दे दिया है। उन्होंने सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर बताया कि उन्हें केंद्र सरकार में ही मंत्री बनने का ऑफर था, जिसे वह ठुकरा चुके हैं। उन्होंने कहा है कि वह राज्य में किसी मंत्री पद के दौर में नहीं हैं।

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य - प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल - मुंबई – 400 008

कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के जरिये विज्ञापनों का प्रदर्शन

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-PnU-24-13	16-12-24 14:00:00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान/एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	PnU-BCT-MMCT-WRL-27-22-1 (Pay and Use - Lounges/Waiting / Retiring/Cloak Rooms)	05 (पांच) वर्षों की अवधि हेतु मुंबई मंडल के मुंबई सेंट्रल (एमएमसीटी) स्टेशन पर क्लोक रूम सेवाओं का नवीकरण, प्रबंधन, अनुरक्षण,संचालन और मैनिंग.	1826	16-12-24 14:30:00 बजे

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-24-50	16.12.2024 को 15.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान/एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	ADVT-Int-S1-EMU73RM-363-24-1 (Advertising-Train Interior)	5 वर्षों की अवधि हेतु पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल में 73 नग ईएमयू में रूट मैप्स् के जरिए विज्ञापनों का प्रदर्शन. (ए) नॉन-एसी ईएमयू : 69 नग, 12 कार, कुल कोचेस 828 नग तथा डिसप्ले एरिया 410.67 वर्ग मीटर्स. (बी) नॉन-एसी ईएमयू : 4 नग, 15 कार, कुल कोचेस 60 नग और डिसप्ले एरिया 29.75 वर्ग मीटर्स . कुल योग : 73 नग ईएमयू, कुल कोचेस 888 नग और कुल डिसप्ले एरिया 440.42 वर्ग मीटर्स.	1826	16-12-24 15:30:00 बजे
2	ADVT-BCT-MEL-OSD-355-24-1 (Advertising - On Station Premise (Digital))	5 वर्षों की अवधि हेतु स्टेशन भवन पर मरीन लाइंस (एमईएल) में एलईडी स्क्रीन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	16-12-24 15:40:00 बजे
3	ADVT-BCT-ADH-OSD-310-23-1 (Advertising - On Station Premise (Digital))	अंधेरी (एडीएच) स्टेशन पर एलईडी वीडियोवॉल्स हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	16-12-24 15:50:00 बजे
4	ADVT-BCT-GMN-OSD-360-24-1 (Advertising - On Station Premise (Digital))	5 वर्षों की अवधि हेतु गोरेगांव (जीएमएन) स्टेशन पर वीडियोवॉल का अधिष्ठापन और संचालन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	16-12-24 16:00:00 बजे
5	ADVT-BCT-PLG-OSN-391-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु वैतरणा, सफाले, केलवे रोड तथा पालघर स्टेशनों पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	16-12-24 16:10:00 बजे
6	ADVT-BCT-ADH-OSN-392-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु प्लेटफॉर्म्स पर अंधेरी (एडीएच) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	16-12-24 16:20:00 बजे
7	ADVT-BCT-ADH-OSN-393-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु फूट ओवर ब्रिजेस तथा सीढ़ियों की लैंडिंग्स पर अंधेरी (एडीएच) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	16-12-24 16:30:00 बजे

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVTM 24-24	17.12.2024 को 14.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान/एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	MSS-BCT-MMCT-PrKiosk-47-24-1 (Misc-Static-Services - Promotional Kiosk)	3 वर्षों की अवधि हेतु चर्चगेट से विरार (29 स्टेशन्स) तक स्टेशनों/प्लेटफॉर्म्स पर प्रमोशनल कियोस्क /प्रॉडक्ट डिसप्ले के जरिए वाणिज्य विज्ञापनों के अनुबंध हेतु ई-नीलामी.	1095	17-12-24 14:30:00 बजे
2	MSS-BCT-BDTS-TWnOPS-6-22-1 (Misc-Static-Services-Two wheeler and other parcel packing services)	बांद्रा टर्मिनस स्टेशन के पार्सल कार्यालय में फैसिलिटेशन काउंटर की स्थापना के जरिए दो पहिया और पार्सल /लगेज पैकेजेस हेतु पैकिंग सेवाओं का प्रावधान.	1095	17-12-24 14:40:00 बजे
3	MSS-BCT-BOR-MedStn-41-24-1 (Misc-Static-Services Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु बोईसर रेलवे स्टेशन पर आपात चिकित्सा कक्ष के माध्यम से चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	17-12-24 14:50:00 बजे
4	MSS-BCT-MRU-MedStn-45-24-1 (Misc-Static-Services - Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु माटुंगा रोड रेलवे स्टेशन पर आपात चिकित्सा कक्ष के माध्यम से चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	17-12-24 15:00:00 बजे
5	MSS-BCT-MMCT-MedStn-36-24-1 (Misc-Static-Services - Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु दहिसर (डीआईसी) रेलवे स्टेशन पर आपात चिकित्सा कक्ष के माध्यम से चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	17-12-24 15:10:00 बजे
6	MSS-BCT-PLG-MedStn-44-24-1 (Misc-Static-Services - Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु पालघर रेलवे स्टेशन पर आपात चिकित्सा कक्ष के माध्यम से चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	17-12-24 15:20:00 बजे
7	MSS-BCT-MMCT-MedStn-35-24-1 (Misc-Static-Services - Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु माहिम (एमएम) रेलवे स्टेशन पर आपात चिकित्सा कक्ष के माध्यम से चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	17-12-24 15:30:00 बजे
8	MSS-BCT-MMCT-MedStn-37-24-1 (Misc-Static-Services - Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु डहाणू रोड (डीआरडी) रेलवे स्टेशन पर आपात चिकित्सा कक्ष के माध्यम से चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	17-12-24 15:40:00 बजे
9	MSS-BCT-ST-MedStn-33-24-1 (Misc-Static-Services - Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु सूरत रेलवे स्टेशन पर आपात चिकित्सा कक्ष के माध्यम से चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	17-12-24 15:50:00 बजे
10	MSS-BCT-ADH-SS-43-24-1 (Misc-Static-Services - Salon Services)	32'x10'=320 वर्ग फीट आकार के कॉलम नं. 28 और 29 के बीच पश्चिमी अपर डेक के उत्तर पश्चिम तरफ, अंधेरी स्टेशन पर यूनिसेक्स सलून सेवाएं प्रदान करने हेतु एयर कंडीशन्ड सलून कियोस्क के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु ई-नीलामी.	1095	17-12-24 16:00:00 बजे
11	MSS-BCT-CCG-SS-42-24-1 (Misc-Static-Services - Salon Services)	चर्चगेट स्टेशन पर यूनिसेक्स सलून सेवाएं प्रदान करने हेतु एयर कंडीशन्ड सलून कियोस्क के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु ई-नीलामी.	1095	17-12-24 16:10:00 बजे

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-24-51	17.12.2024 को 15.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान/एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	ADVT-Int-S1-ACEMULED6-324- 23-1 (Advertising - Train Interior)	एसी ईएमयू रेक्स के भीतर, डिजिटल स्क्रीन्स के अधिष्ठापन, अनुरक्षण और संचालन के जरिये विज्ञापन के लिये ई-नीलामी.	1826	17-12-24 15:30:00 बजे
2	ADVT-BCT-DIC-OH-53-24-1 (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु कुल 1156 वर्ग फीट क्षेत्रफल के नये स्ट्रक्चर्स (04 होर्डिंग स्ट्रक्चर्स) से मौजूदा होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के विखंडन और प्रतिस्थापन के जरिये दहिसर स्टेशन पर विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	17-12-24 15:40:00 बजे
3	ADVT-BCT-VAPI-OH-40-24-1 (Advertising - Out of Home)	7 वर्षों की अवधि हेतु 1200 वर्ग फीट के डिसप्ले एरिया के साथ नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए मौजूदा होर्डिंग स्ट्रक्चर्स का विखंडन और प्रतिस्थापन करते हुए वापी स्टेशन पर उपलब्ध 05 कालबाह्य और रिक्त होर्डिंग्स पर विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	17-12-24 15:50:00 बजे
4	ADVT-BCT-BOR-OH-56-24-1 (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु आकार 20'x10' (1) = 200 वर्ग फीट के नये स्ट्रक्चर्स के साथ मौजूदा होर्डिंग स्ट्रक्चर्स का विखंडन और प्रतिस्थापन करते हुए बोईसर स्टेशन पर विज्ञापनों के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	17-12-24 16:00:00 बजे
5	ADVT-BCT-BVI-OH-364-24-1 (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु 30'x30'(1) = 900 वर्ग फीट के दक्षिणोन्मुखी मौजूदा होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के पूर्वी तरफ, बोरीवली स्टेशन उत्तर पूर्व सर्कुलेटिंग एरिया में नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	17-12-24 16:10:00 बजे
6	ADVT-BCT-BA-OH-343-24-2 (Advertising - Out of Home)	900 वर्ग फीट के कुल एरिया के नये स्ट्रक्चर्स के साथ विखंडन और प्रतिस्थापन के जरिए बांद्रा पश्चिम सर्कुलेटिंग एरिया में 02 मौजूदा होर्डिंग स्ट्रक्चर्स पर विज्ञापनों के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार. (मीडिया एग्नॉस्टिक)	2557	17-12-24 16:20:00 बजे
7	ADVT-BCT-NIG-OH-366-24-1 (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु 1600 वर्ग फीट के कुल एरिया के 20'x20' (2) V-शेप में आकार के 02 होर्डिंग स्ट्रक्चर्स – नायगांव आरओबी पर नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	17-12-24 16:30:00 बजे
8	ADVT-BCT-GTR-OH-352-24-1 (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु 600 वर्ग फीट के कुल एरिया के 20'x20' (1) तथा 20' x 10' (1) के 02 होर्डिंग स्ट्रक्चर्स – ग्रांट रोड स्टेशन पश्चिम सर्कुलेटिंग एरिया में नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए विज्ञापनों के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार	2557	17-12-24 16:40:00 बजे
9	ADVT-BCT-BIY-OH-353-24-1 (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु 2560 वर्ग फीट के कुल एरिया के आकार 40'x10'(1), 20'x20'(2), 60'x8' (2) बैक टू बैक तथा 10'x20' (2) बैक टू बैक, के 05 होर्डिंग स्ट्रक्चर्स – बारडोली स्टेशन पर नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिये विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	17-12-24 16:50:00 बजे
10	ADVT-BCT-BSR-OH-54-24-1 (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु 1000 वर्ग फीट के कुल एरिया के नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स (05 होर्डिंग स्ट्रक्चर्स) के उत्थापन के जरिए वसई रोड स्टेशन पर होर्डिंग स्ट्रक्चर्स पर विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	17-12-24 17:00:00 बजे
11	ADVT-BCT-BVI-OH-365-24-1 (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु आकार 20'x20'(1) = 400 वर्ग फीट के गांजावाला लेन से आनेवाले यातायात और पश्चिम उन्मुख, एसएसई (पी.वे)-बीवीआई के कम्पाउंड में, बोरीवली स्टेशन पश्चिम में नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	17-12-24 17:10:00 बजे

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-24-52	18.12.2024 को 15.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान/एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	ADVT-BCT-DRD-OSN-197-22-2 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	1,920 वर्गफीट के कुल डिसप्ले एरिया युक्त 80 नग बोर्ड्स के जरिए प्लेटफॉर्म्स और फूट ओवर ब्रिजेस पर डहाणू रोड (डीआरडी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	18-12-24 15:30:00 बजे
2	ADVT-BCT-MDD-OSN-301-23-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	डिसप्ले बोर्ड्स के जरिए 3 वर्षों की अवधि हेतु एस्केलेटर्स और सीढियों की लैंडिंग्स के पिलर्स पर मालाड (एमडीडी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	18-12-24 15:40:00 बजे
3	ADVT-BCT-PBHD-OSN-299-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु प्रभादेवी (पीबीएचडी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	18-12-24 15:50:00 बजे
4	ADVT-BCT-GMN-OSN-362-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु बस स्टॉप उन्मुख, स्टेशन भवन के अग्रभाग पर ग्लोसाइन्स हेतु गोरेगांव (जीएमएन) स्टेशन पश्चिमी तरफ में थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	18-12-24 16:00:00 बजे
5	ADVT-BCT-JOS-OSN-229-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	(ए) बोर्ड्स : मात्रा 80 नग तथा डिसप्ले एरिया 1,920 वर्ग फीट तथा (बी) ग्लोसाइन्स : मात्रा 60 नग तथा डिसप्ले एरिया 360 वर्ग फीट (सी) डिजिटल स्क्रीन 01 नग और डिसप्ले एरिया 35 वर्ग फीट, के माध्यम से विज्ञापनों के प्रदर्शन हेतु तीन वर्षों की अवधि हेतु 2,315 वर्गफीट के कुल डिसप्ले एरिया के साथ फूट ओवर ब्रिजेस पर जोगेश्वरी (जेओएस) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	18-12-24 16:10:00 बजे
6	ADVT-BCT-MX-OSN-297-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु महालक्ष्मी (एमएक्स) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	18-12-24 16:20:00 बजे
7	ADVT-BCT-NSP-OSN-328-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु नालासोपारा (एनएसपी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	18-12-24 16:30:00 बजे
8	ADVT-BCT-BVI-OSN-359-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु प्लेटफॉर्म्स पर बोरीवली (बीवीआई) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	18-12-24 16:40:00 बजे

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-24-53	19.12.2024 को 15.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान/एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	ADVT-BCT-MMCT-OSN-372-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर मुंबई सेंट्रल लोकल स्टेशन (एमएमसीटी) में थोक विज्ञापन अधिकार	1095	19-12-24 15:30:00 बजे
2	ADVT-BCT-PL-OSN-374-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर लोअर परेल (पीएल) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	19-12-24 15:40:00 बजे
3	ADVT-BCT-KHAR-OSN-376-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर खार (केएचएआर) में थोक विज्ञापन अधिकार	1095	19-12-24 15:50:00 बजे
4	ADVT-BCT-ADH-OSN-379-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर अंधेरी (एडीएच) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	19-12-24 16:00:00 बजे
5	ADVT-BCT-DDR-OSN-375-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर दादर (डीडीआर) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	19-12-24 16:10:00 बजे
6	ADVT-BCT-VLP-OSN-378-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर विलेपार्ले (वीएलपी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	19-12-24 16:20:00 बजे
7	ADVT-BCT-MX-OSN-373-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर महालक्ष्मी (एमएक्स) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	19-12-24 16:30:00 बजे
8	ADVT-BCT-GTR-OSN-371-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर ग्रांट रोड (जीटीआर) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	19-12-24 16:40:00 बजे
9	ADVT-BCT-MEL-OSN-370-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर मरीन लाइंस (एमईएल) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	19-12-24 16:50:00 बजे
10	ADVT-BCT-STC-OSN-377-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर सांताक्रूज (एसटीसी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	19-12-24 17:00:00 बजे

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-24-54	20.12.2024 को 15.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान/एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	ADVT-BCT-BVI-OSN-384-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर बोरीवली (बीवीआई) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	20-12-24 15:30:00 बजे
2	ADVT-BCT-GMN-OSN-382-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर गोरेगांव (जीएमएन) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	20-12-24 15:40:00 बजे
3	ADVT-BCT-BYR-OSN-387-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर भायंदर (बीवाईआर) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	20-12-24 15:50:00 बजे
4	ADVT-BCT-KILE-OSN-383-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर कांदिवली (केआईएलई) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	20-12-24 16:00:00 बजे
5	ADVT-BCT-JOS-OSN-380-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर जोगेश्वरी (जेओएस) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	20-12-24 16:10:00 बजे
6	ADVT-BCT-MIRA-OSN-386-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर मीरा रोड (एमआईआरए) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	20-12-24 16:20:00 बजे
7	ADVT-BCT-DIC-OSN-385-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर दहिसर (डीआईसी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	20-12-24 16:30:00 बजे
8	ADVT-BCT-NSP-OSN-390-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर नालासोपारा (एनएसपी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	20-12-24 16:40:00 बजे
9	ADVT-BCT-RMAR-OSN-381-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर राम मंदिर (आरएमएआर) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	20-12-24 16:50:00 बजे
10	ADVT-BCT-BSR-OSN-389-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर वसई रोड (बीएसआर) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	20-12-24 17:00:00 बजे
11	ADVT-BCT-NIG-OSN-388-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर नायगांव (एनआईजी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	20-12-24 17:10:00 बजे

टिप्पणी : संभावी बोलीकर्ताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें. लॉट अनुसार विवरण निर्दिष्ट पुस्तिका अंतर्गत उपलब्ध है. 0784

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

ग्लेशियर संकट

हम केदारनाथ संकट के उन भयावह परिणामों को नहीं भूल सकते, जब हिमनद पिघलने से बनी झील के टूटने से तबाही का मंजर पैदा हुआ था। लेकिन ग्लोबल वार्मिंग के संकट के चलते ग्लेशियर पिघलने से हिमालयी क्षेत्रों में कई कृत्रिम झीलें बन रही हैं। इस बाबत केंद्रीय जल आयोग की हालिया रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। जिसका संज्ञान लेते राष्ट्रीय हरित पंचाट ने केंद्र सरकार को सचेत करते हुए इस बाबत आवश्यक कदम उठाने को कहा है। जिससे भविष्य में किसी आपदा की आशंका को टाला जा सके। यदि समय रहते सरकार आवश्यक कदम उठाती है तो हिमनदों को संरक्षण की कोशिशें तेज की जा सकती हैं। साथ ही जरूरी है कि झीलों के टूटने की स्थिति में नदियों में अधिक जल प्रवाह के प्रबंधन की रणनीति पर भी विचार किया जाए। यह एक टकसाली सत्य है जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। मानसून के दौरान बारिश के पैटर्न में आए बदलाव ने बड़े पैमाने पर भूस्खलन को अंजाम दिया है। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग के चलते तेज बारिश कम समय में ही बरस जाती है। साथ ही बादल फटने की घटनाओं में खासी तेजी आई है। कमोबेश यही स्थिति ग्लेशियरों के पिघलने में आई तेजी में नजर आती है। दरअसल, जलवायु संकट के घातक प्रभाव सारी दुनिया में नजर आ रहे हैं। कहीं अतिवृष्टि तो कहीं सूखे की स्थिति है। हिमनदों के पिघलने से न केवल समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है, बल्कि उसके तापमान में भी बदलाव देखा जा रहा है। वहीं चक्रवाती तूफान अमेरिका से लेकर एशियाई देशों में कहर बरपा रहे हैं। कुल मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से मानवता के अस्तित्व पर संकट की आहट महसूस हो रही है। लेकिन हिमालयी क्षेत्रों में हिमनदों के पिघलने से कृत्रिम झीलों का आकार बढ़ना एक खतरे की घंटी जैसा है। जिससे न केवल गंगा बल्कि ब्रह्मपुत्र जैसी बड़ी नदियों के जल प्रवाह में अप्रत्याशित बदलाव की आशंका बलवती हो रही है। जिससे न केवल जल के स्तर में अप्रत्याशित बदलाव होंगे, बल्कि जैव विविधता के लिये भी खतरा पैदा हो जाएगा। यदि झीलों के फटने से नदियों में बाढ़ की स्थिति बनती है तो निचले इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों के जीवन के लिये खतरा पैदा हो सकता। बताया जाता है कि देश में करीब 67 ऐसी झीलों को चिन्हित किया गया है, जिनके क्षेत्रफल में चालीस फीसदी तक की वृद्धि हुई है। जिससे उत्तराखंड, लद्दाख व हिमाचल के कुछ इलाके प्रभावित हो सकते हैं। जो जरूरत बताता है कि समय रहते पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित की जाए। साथ ही आपदा प्रबंधन के लिये जरूरी कदम भी उठाये जाएं। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय हरित पंचाट की सिफारिशों पर गंभीरता से विचार करेगी। जिससे हिमनदों के संरक्षण व नदियों के जल प्रवाह के नियंत्रण की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। साथ ही हमें देश में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने तथा प्रकृति के अनुरूप विकास योजनाएं बनाने की जरूरत है।

राजनीतिक विरासत को समृद्ध करती प्रियंका की जीत

ज्योति मल्होत्रा

पिछले सप्ताह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद पार्टी में छाई गहरी खामोशी आपको बताती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी भाजपा देश भर में सत्ता क्यों कायम रखे हुए हैं। एक शब्द में कहें तो ऐसा इसलिए क्योंकि कांग्रेस उन्हें इसके लिए सक्षम बनाती है। बीते शुक्रवार को राजधानी में हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में द ट्रिब्यून के फोटोग्राफर मुकेश अग्रवाल द्वारा खींची गई तस्वीरें जाने-अनजाने में इस पुरानी पार्टी के मौजूदा हालात को बखूबी दर्शाती हैं। एक तस्वीर में बुजुर्ग अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अपने खास अंदाज में मफलर लपेटे हुए, अपने कनिष्ठ सहयोगी राहुल गांधी को – जिन्होंने चिरपरिचित सफेद टी-शर्ट पहनी हुई है -कागज का एक टुकड़ा दिखाते प्रतीत हो रहे हैं, जबकि होना इससे उलट चाहिए था।

पिछले छह-सात दिनों से खूब खबरें चली कि महाराष्ट्र के महायुति गठबंधन के भीतर इस मुद्दे पर खींचतान और दबाव बना हुआ है कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, देवेंद्र फडणवीस या एकनाथ शिंदे। इसके विपरीत, कांग्रेस फिर से करवट लेकर सोने चली गई लगती है। एमवीए गठबंधन से उद्धव ठाकरे द्वारा किनारा करने की चर्चा राज्य में हो रही है, लेकिन गठबंधन के घटकों के बीच दरार और मनमुटाव का शोर वास्तव में चुनाव परिणाम आने से पहले ही मचना शुरू हो गया था – जब वे इस मुद्दे पर बहस करने लगे थे कि महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री कौन होगा?

निश्चित रूप से, यह एक अनूठी स्थिति है। कांग्रेस और राहुल गांधी नियमित रूप से भाजपा पर मोदी की छवि बतौर देवतुल्य व्यक्ति पेश करने का आरोप लगाते हैं – खुद प्रधानमंत्री ने लोकसभा चुनाव से पहले वाराणसी में एक चैनल को दिए साक्षात्कार में इस तथ्य को स्वीकार किया था, जब उन्होंने कहा : 'मुझे यकीन है कि भगवान ने (मुझे) भेजा है, क्योंकि इतनी ऊर्जा मेरे जैविक शरीर में तो नहीं हो सकती थी'। लेकिन तथ्य यह है कि भले ही कांग्रेस एक के बाद एक चुनाव हारती जा रही है – झारखंड नियम की बजाय अपवाद है – फिर भी उसने अपने अंदर झांकने से आंखें मूंद रखी हैं। आश्चर्यजनक तथ्य यह बना हुआ है कि हार के पीछे राहुल गांधी पर सीधे-सीधे अंगुली उठाने से कांग्रेस पार्टी बचती है और यह बात मोदी और भाजपा को राज्य-दर-राज्य खुद को मजबूत करने का मौका प्रदान करती है। जब पिछली गर्मियों में भाजपा संसद में अपना खुद का पूर्ण बहुमत नहीं ले पाई थी, तो उसने बारीकी से जांच की कि गलती कहां रही, जिसमें यह भी शामिल था कि आरएसएस ने मदद क्यों नहीं की। इसके बाद हरियाणा और महाराष्ट्र में हुए चुनावों में भूल से सबक लेना सुनिश्चित किया गया – इसलिए हरियाणा में प्रत्येक विधानसभा सीट पर माइक्रो मैनेजमेंट की गयी और अति आत्मविश्वासी बनी कांग्रेस के पैरों तले से जमीन खींच ली और महाराष्ट्र में 'लाड़ली-बहना' जैसी योजनाओं की बदौलत जीत हासिल की, जो महिलाओं के बैंक खाते में सीधे पैसे डालने की गारंटी देती है। इसके विपरीत, कांग्रेस ईवीएम को दोष देने में लगी रही और अपनी विफलता के पीछे 'बड़े पैमाने पर धांधली' को जिम्मेदार ठहराया। तमाम अच्छे नेताओं की तरह विफलता को स्वीकार करने के बजाय राहुल वायनाड से अपनी करिश्माई बहन की जीत मनाने में अगुवाई करते नज़र आए – दृश्य मनोहारी था,खासकर जब वह युवा महिला पारंपरिक केरल कसावु साड़ी में संसद में शपथ लेने पहुंची और त्रुटिहीन हिंदी में सांसद के रूप में सौगंध उठाई।

लेकिन अब वास्तविक दृश्य देखिये। सदन में अब तीन गांधी हैं- राज्यसभा में मां सोनिया तो लोकसभा में उनके बच्चे राहुल और प्रियंका, राहुल उत्तर प्रदेश के दिल रायबरेली से सांसद, तो प्रियंका दक्षिण भारत के खूबसूरत पहाड़ी जिले वायनाड से। लेकिन यहां कोई मुगालता न रहे, इस जीत से पारिवारिक जागीर रूपी कांग्रेस पर गांधियों की पकड़ अब और भी मजबूत हो गई है।

वंशवाद विरोधी आवाज़ें उठना भारतीय राजनीति में अब लंबे समय से बंद हो चुकी हैं– आज न केवल कांग्रेस बल्कि हर राजनीतिक दल,नेता-नेत्रियों के बेटे-बेटियों से भरा पड़ा है, जो कथित तौर पर अच्छाई की लड़ाई लड़ रहे हैं। इसके पीछे वे कौन से तर्क देंगे, उनसे अब हम सब अच्छी तरह वाकिफ हैं। भारत के लोग इतने अक्लमंद हैं कि अगर आप उनके लिए पर्याप्त मेहनत नहीं करते तो वे आपको अपना नेता स्वीकार नहीं करेंगे, भले ही आपकी बपौती कितनी भी बनती हो।

निश्चित रूप से, इस घटनाक्रम से मोदी से ज्यादा कोई और खुश नहीं होगा। वे जानते हैं कि जब वे पार्टी के अंदर लोकतंत्र की कमी के लिए कांग्रेस पर तंज कसते हैं, तो लाखों भारतीयों के दिलों को छूते हैं। वे जानते हैं, और देश भी जानता है, कि 'इंडिया इज़ इंदिरा' के दिन बहुत पहले लद चुके हैं। और यदि गांधी परिवार जिम्मेदारी लेने से इनकार करता है, तो यह पुरानी और बड़ी पार्टी धीरे-धीरे खत्म हो जाएगी।

एक समय,पुराने अच्छे दिनों में, प्रियंका को कांग्रेस पार्टी का 'ब्रह्मास्त्र' कहा जाता था। सवाल यह है कि क्या ऐसा हथियार आज की राजनीति में कुछ कर दिखाएगा।

जीवन मंत्र

अनुशासन और आजादी को बराबर मानना चाहिए

अगर आप आजादी का मतलब सुबह देर से उठना समझते हैं तो इससे दिनभर के काम अस्त-व्यस्त होते है। और अपना ज्यादातर समय बेकार के रोजमर्रा के कामों में बर्बाद कर देंगे।

जीवन में सफल होने के लिए अनुशासन का होना जरूरी है। आज का युवावर्ग आजादी के बहाने अनुशासनहीनता को अपनाता है। जिससे सफलता नहीं मिलती। सफल होने के लिए आजादी और अनुशासन को एक ही समझें।

आजकल का युवा वर्ग आजादी का मतलब अनुशासनहीनता से लगाता है। जबकि लाइफ में अगर सक्सेजफुल होना है तो डिसिप्लिन का होना बेहद जरूरी है। अनुशासन केवल शिक्षा की उम्र तक ही जरूरी नहीं होती बल्कि इसे पूरी लाइफ अपने साथ रखना चाहिए। जिससे केवल पढ़ाई ही नहीं बल्कि रोजगार के समय भी आप सफल हो सकें। लेकिन दैनिक जीवन में पालन किया जाने वाला डिसिप्लिन आपको सक्सेजफुल बना सकता है। चलिए जानें कैसे अनुशासन में रहना फायदेमंद होता है और लाइफ में आगे बढ़ने में मदद करता है।

अनुशासन और आजादी एक दूसरे के विपरीत नही हैं बल्कि ये एक सिक्के के ही पहलू हैं। अनुशासन और आजादी को बराबर मानना चाहिए। आगे जानें कैसे युवा आजादी को अनुशासनहीनता से जोड़ कर देखते हैं।

जब आप सुबह जल्दी और एक ही समय पर हर दिन जागते हैं तो आपको दैनिक क्रिया को करने के लिए पर्याप्त समय मिलता है। साथ ही आप सुबह काम पर जाने की जल्दी में नहीं होते। इससे हर काम पूरी तसल्ली और ठीक से कर पाते हैं। अगर आप आजादी का मतलब सुबह देर से उठना समझते हैं तो इससे दिनभर के काम अस्त-व्यस्त होते है। और अपना ज्यादातर समय बेकार के रोजमर्रा के कामों में बर्बाद कर देंगे। जल्दी उठना, जल्दी सोना अनुशासन का ही एक पार्ट है। जब आप सुबह जल्दी उठते हैं तो आपके पास पर्याप्त समय होता है। जिसे आप एक्सरसाइज या मेडिटेशन करके बिता सकते हैं। रोज की एक्सरसाइज आपकी सेहत को सही रखने में मदद करती है और बीमारियों से दूर रखती है। घर में मां हमेशा घर के बने शुद्ध खाने के खाने के लिए बोलती है। ये भी एक तरह का अनुशासन है। जिसे पालन करने से आप अपनी सेहत को बचाते हैं। आजादी का अर्थ आजकल युवा वर्ग मन मुताबिक खाने को खाने और स्मोकिंग, शराब, गुटखा की लत को समझते हैं। आप जितना शुद्ध फूड खाते हैं, शराब और स्मोकिंग से दूर रहते हैं, हेल्थ बनी रहती है और बीमार होने से बच जाते हैं। क्योंकि बीमार होने और रिकवर होने में जीवन का काफी सारा समय बेकार हो सकता है। जो आपको बाकी लोगों से पीछे कर देगा। जब आप दैनिक जीवन के कामों को पूरे डिसिप्लिन के साथ करते हैं तो आपके पास काफी सारा समय बचता है। जिसका सही इस्तेमाल किया जा सकता है। बचे समय में कुछ नया सीखा जा सकता है।

शख्सियत

नंदलाल बोस

भारतीय कला के अग्रदूत

नंदलाल बोस भारतीय कला जगत के एक महान चित्रकार और आधुनिक भारतीय कला के जनक माने जाते हैं। उनका जन्म 3 दिसंबर 1882 को बिहार के हवेली खड़गपुर में हुआ। कला के प्रति उनका झुकाव बचपन से ही था, लेकिन उनके माता-पिता इस क्षेत्र को करियर के रूप में स्वीकारने के पक्ष में नहीं थे। इसके बावजूद नंदलाल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और समर्पण से कला की दुनिया में अपनी पहचान बनाई।

उन्होंने कोलकाता के गवर्नमेंट स्कूल ऑफ आर्ट्स में अबनींद्रनाथ टैगोर के अधीन चित्रकला की शिक्षा प्राप्त की। वहीं, उन्हें भारतीय संस्कृति और परंपराओं को कला में समाहित करने की प्रेरणा मिली। नंदलाल बोस का काम भारतीय कला के पुनर्जागरण का प्रतीक है। उन्होंने अपनी चित्रकला में भारतीयता को उभारा और इसे पश्चिमी प्रभाव से मुक्त किया।

महात्मा गांधी के नेतृत्व में चल रहे स्वतंत्रता आंदोलन से प्रेरित होकर नंदलाल बोस ने राष्ट्रीय चेतना और भारतीय सांस्कृतिक पहचान को अपने चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। उनका सबसे प्रसिद्ध कार्य 'हरिपुरा पोस्टर्स' है, जिसे उन्होंने 1938 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन के लिए बनाया था। ये चित्र भारत की ग्रामीण और सांस्कृतिक जीवनशैली को दर्शाते हैं। शांति निकेतन में कला भवन के प्रधानाचार्य के रूप में उन्होंने न केवल सैकड़ों छात्रों को प्रशिक्षित किया, बल्कि भारतीय कला को वैश्विक स्तर पर भी पहचान दिलाई। उनकी शैली में भारतीय लघु चित्रकला और आधुनिक दृष्टिकोण का अद्भुत समन्वय था।

नंदलाल बोस को उनकी उत्कृष्ट कला के लिए 1954 में भारत सरकार द्वारा पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। 16 अप्रैल 1966 को उनकी मृत्यु हो गई, लेकिन उनके विचार और योगदान आज भी भारतीय कला के स्तंभ बने हुए हैं।

नंदलाल बोस का जीवन हमें सिखाता है कि सच्ची कला वही है, जो अपनी संस्कृति और परंपरा को गर्व से दर्शाए और नई पीढ़ियों को प्रेरित करे।

जीवन ऊर्जा

ओज़ी ऑस्बॉर्नः जन्म 3 दिसंबर 1948

जन्म

सच्ची ताकत कमजोरियों को अपनाने में है

ओज़ी ऑस्बॉर्न, जिन्हें 'प्रिंस ऑफ़ डार्कनेस' कहा जाता है, का जन्म 3 दिसंबर 1948 को इंग्लैंड में हुआ। वे एक प्रसिद्ध गायक, गीतकार और ब्लैक सबथ बैंड के प्रमुख गायक रहे। अपनी अनोखी शैली और आवाज़ से उन्होंने संगीत जगत में नई पहचान बनाई। उनका जीवन प्रेरणा से भरा है।

सफलता उन्हें मिलती है, जो जीवन की कठिनाइयों के सामने हार नहीं मानते। जीवन आपको गिरा सकता है, लेकिन असली ताकत फिर से खड़े होने में है। अपनी कमियों को अपनाएं, क्योंकि वही आपको अद्वितीय बनाती हैं। डर क्षणिक है, लेकिन पछतावा हमेशा के लिए रहता है। जोखिम उठाएं। अपने जुनून को अपना मार्गदर्शक बनाएं, भले ही दुनिया आप पर शक करे। हर चुनौती आपके साहस को साबित करने का अवसर है। सफलता का रास्ता कभी आसान नहीं होता, लेकिन हमेशा सार्थक होता है। दुनिया की शोरगुल को अपने भीतर की आवाज को दबाने न दें। गर्व से अलग दिखें, क्योंकि दुनिया में वैसे लोग बहुत हैं जो केवल फिट

होने की कोशिश करते हैं। रचनात्मकता साधारण के खिलाफ सबसे बड़ा विद्रोह है। दृढ़ता सपनों को वास्तविकता में बदल देती है, एक-एक कदम से। अंधकार इसलिए होता है ताकि आप अपनी रोशनी खोज सकें। सफलता का मतलब पूर्णता नहीं, बल्कि लगातार प्रयास करना है। जीवन आपका मंच है—पूरे दिल से प्रदर्शन करें। आपके निशान उन लड़ाइयों के प्रतीक हैं, जिन्हें आपने जीत लिया है। कभी सीखना बंद न करें, क्योंकि विकास ही जीवन का सार है। प्रामाणिकता हमेशा नकलीपन से आगे निकलती है। अपने अंतर्ज्ञान पर विश्वास करें, क्योंकि वह रास्ता जानता है।गलतियां यह साबित करती हैं कि आप कोशिश कर रहे हैं—उन्हें कभी न डरें। अराजकता को गले लगाएं, क्योंकि यह अक्सर सबसे सुंदर क्षणों की ओर ले जाती है। मंजिल से ज्यादा यात्रा मायने रखती है—इस सफर का आनंद लें। सच्ची ताकत कमजोरियों को अपनाने में है। अपनी कहानी को ऐसा बनाएं कि वह दूसरों को अपनी कहानी लिखने की प्रेरणा दे।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

माथे पर तिलक लगाने का महत्व

तिलक लगाने की परंपरा और तिलक क्यों लगाया जाता है इससे क्या लाभ होता है। सनातन परंपरा में माथे पर तिलक लगाने का काफी महत्व माना गया है। विवाहित स्त्रियां माथे पर कुमकुम का तिलक लगाती हैं. पूजा के समय या किसी भी शुभ कार्य के मौके पर भी मस्तक पर तिलक जरूर लगाया जाता है। अलग अलग मौकों पर अलग चीजों से तिलक लगाने का चलन है। ये संस्कृति प्राचीन काल से चली आ रही है-:

धार्मिक मान्यता के अनुसार मस्तक के बीचोंबीच भगवान शिव विष्णु ब्रह्मा त्रिदेव का निवास होता है. उस स्थान पर ही तिलक भी लगाया जाता है। मान्यता है कि इससे भगवान त्रिदेव प्रसन्न होते हैं। महिलाएं इसे देवी का आशीर्वाद मानकर मस्तक पर लगाती हैं। इसके अलावा इस स्थान को त्रिवेणी

या संगमभी कहा जाता है, क्योंकि यहां पर शरीर की तीन नाड़ियां एक साथ मिलती हैं। यही स्थान मन व गुरु का भी होता है, इसलिए इसे काफी महत्वपूर्ण माना जाता है. इस स्थान पर तिलक लगाने से मन की एकाग्रता बढ़ती है और व्यक्ति का तेज बढ़ता है। हमारी संस्कृति में प्रातः काल स्नान के बाद तिलक लगाने की परंपरा वैदिक काल से है। और तिलक लगाने से आध्यात्मिक उन्नति भी होती है। वैज्ञानिक दृष्टि से हमारे शरीर में सात चक्र होते हैं, इन्हें ऊर्जा का केंद्र माना जाता है. मस्तक के बीचोंबीच आज्ञाचक्र होता है. यही स्थान पीनियल ग्रन्थिका होता है. जब उस स्थान पर तिलक लगाया जाता है तो पीनियल ग्रन्थि का उद्दीपन होता है इससे शरीर के सूक्ष्म और स्थूल अवयन जागृत होते हैं।

मस्तक पर तिलक लगाने से बीटाएंडोरफिन और सेराटोनिन नामक रसायनों का स्राव भी संतुलित होता है। इससे मस्तिष्क शांत होता है। एकाग्रता बढ़ती है, गुस्सा और तनाव कम होता है और सकारात्मक सोच विकसित होती है। कुछ वर्षों तक लगातार तिलक लगाने से आपकी मूल्यांकन क्षमता और दूरदर्शिता में अद्भुत विकास होता है। प्रतिदिन तिलक लगाने से धीरे-धीरे आपके अंदर सिक्स्थ सेंस का जागरण होता है जिसकी वजह से आप भविष्य में आने वाली आपात घटनाओं व समस्याओं का आभास आपको होने लगता है,और आप कॉफी समस्याओं व दुर्घटनाओं से बच सकते हैं। सबसे उत्तम तिलक केसर, हल्दी, कुमकुम, रोली, सिन्दूर और चंदन के होते हैं, इनमें से कोई भी तिलक लगाएंगे वो आपको निश्चित लाभ देगा। ध्यान रहे कृत्रिम वस्तुओं का तिलक कोई लाभ नहीं देता। अतःतिलक हमेशा शुद्ध व प्राकृतिक वस्तुओं का ही लगायें जैसेचंदन, हल्दी, केसर इत्यादि। तिलक को आप गंगाजल से या गुलाब जल से गिला कर सकते हैं। तिलक लगाने का लाभ तभी मिलेगा जब नियमित रूप से तिलक लगाया जाए और कम से कम दोपहर तक तिलक माथे पर रहना आवश्यक है। निश्चित मानिए जब आप अपने प्रभु के नाम का प्रतिदिन प्राकृतिक वस्तुओं का तिलक लगाना शुरू करेंगे तो आपके विचार भी सुंदर होंगे और आपका चेहरा भी आकर्षक लगेगा।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा

वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।

मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

असफलताएं हमें गलतियों से बचाती हैं

हमारे जीवन में आने वाली असफलताएं हमें अनुभव देती हैं और भविष्य में होने वाली गलतियों से बचाती हैं। इसलिए इंसान को कभी मायूस नहीं होना चाहिए, उसे मेहनत करते रहना चाहिए। एक दिन ऐसा आएगा कि मेहनत का फल सफलता में बदल जाएगा। ऐसी ही कहानी है रोहित की। रोहित ने बड़े उत्साह से परीक्षा की तैयारी की। इसके बावजूद वह टॉप नहीं कर पाया और वह बहुत उदास व निराश रहने लगा। असफलता के गम में उसने पहले की तरह प्रयास करना छोड़ दिया। रोहित की इस परेशानी का पता जब उसके अध्यापक को पता लगा, जो उसके मार्गदर्शक थे तो उन्होंने एक दिन उसे अपने घर बुलाया। उन्होंने रोहित से परेशानी की वजह पूछी। रोहित ने उन्हें बताया की 'उसने दिन रात मेहनत की पर जैसा वो चाहता था वैसे नतीजे नहीं आए इसलिए वो हताश हो चुका है। रोहित की बात सुनने के बाद अध्यापक ने उसे अपने साथ बगीचे में चलने के लिए कहा। वो उसे टमाटर के पौधों के पास ले गए और बोले की इस टमाटर के इस खराब और मरे हुए पौधे को देखो।जब मैंने इस पौधे को बोया था तो मैंने इसे समय-समय पर सही मात्रा मे पानी दिया, खाद भी डाली और कीटनाशक का छिड़काव भी किया, पर फिर भी यह खराब हो गया। तो क्या?, रोहित बोला। इतनी सारी मेहनत, इतना पैसा और समय देने के बाद भी अगर जैसा रिजल्ट हम चाहते हैं वो न मिल पाए तो इतना सब कुछ करने से क्या फायदा है। अध्यापक बोले ऐसा नहीं है और उन्होने एक दरवाजे की तरफ इशारा करते हुए कहा की एक बार जरा इस दरवाजे को खोल कर देखो। रोहित ने दरवाजे को खोला और देखा की सामने बड़े-बड़े टमाटरों के ढेर पड़े हुए थे। उसने पूछा की, ये सब कहां से आए? अध्यापक बोले, टमाटर के एक पौधे के खराब होने का मतलब यह नहीं है कि सभी पौधे खराब हो गए। इसी तरह तुमने मेहनत तो की पर टॉप नहीं कर पाए लेकिन इसका मतलब यह नहीं है की तुम्हारी दिन रात की मेहनत खराब गई और तुम असफल हो गए। परीक्षा देते समय कई चीजें मायने रखती हैं, जिसमें लिखने की स्पीड, तबीयत, मनोस्थिति और भी बहुत कुछ जो सिर्फ मेहनत का पैमाना नहीं है। जो तुमने सीखा वो जिंदगी के हर मोड़ पर काम आएगा । मेहनत करने के बावजूद मनचाहा न मिलने का मतलब यह नहीं है की आप असफल हो गए। इसका मतलब है की आपने सफलता तक पहुचने की एक और सीढ़ी चढ़ी है।

कहानी का सारः

आज हार हुई है, तो कल जीत भी हो सकती है। हार के गम में सुधार की कोशिश छोड़ देना समझदारी नहीं होती है। निराश होने की जगह ये सोचना चाहिए कि हमसे कहां चूक हुई है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

शादी में दिखेंगी सबसे अलग जब साड़ी में लगेगा ग्लैमर का तड़का

स्टाइल करें सेक्विन वर्क वाली रेड साड़ियां

अगर आप भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं, तो आपको सेक्विन वर्क वाली रेड साड़ी पहननी चाहिए। सेक्विन वर्क वाली रेड साड़ी आप शादी जैसे खास फंक्शन में पहन सकती हैं और आप इस तरह की साड़ी पहनकर भीड़ में अलग नजर आएंगी।

शादी जैसे किसी भी खास मौके के लिए महिलाएं अपने लुक से लेकर आउटफिट तक का चुनाव बड़ी सावधानी से करती हैं। शादी जैसे फंक्शन में पहनने के लिए आउटफिट में साड़ी भी शामिल है। शादी के मौके पर महिलाएं साड़ी पहनती हैं और साड़ी में आपको कई ऑप्शन मिल जाएंगे। लेकिन अगर आप भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं, तो आपको सेक्विन वर्क वाली रेड साड़ी पहननी चाहिए। सेक्विन वर्क वाली रेड साड़ी आप शादी जैसे खास फंक्शन में पहन सकती हैं और आप इस तरह की साड़ी पहनकर भीड़ में अलग नजर आएंगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ बेहद खूबसूरत सेक्विन वर्क वाली रेड साड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सेक्विन वर्क जॉर्जेट साड़ी

बता दें कि आप शादी में सेक्विन वर्क वाली जॉर्जेट साड़ी पहन सकती हैं। इस साड़ी को पहनकर आपका लुक सबसे अलग नजर आएगा। इस साड़ी के साथ आप स्ट्रेप या फॉर हाफ स्लीवलेस ब्लाउज पहन सकती हैं। इस साड़ी में आपको कई डिजाइन मिल जाएंगी। मार्केट में 2,000 से 3,000 रुपए तक में इस तरह की साड़ी आसानी से मिल जाएंगी। इस साड़ी के साथ आप कुंदन या फिर मिरर वर्क डिजाइन वाली ज्वेलरी वियर कर सकती हैं।

सेक्विन वर्क शिफॉन साड़ी

अगर आप शादी में कुछ नया ट्राई करने की सोच रही हैं, तो आपको सेक्विन वर्क शिफॉन साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। न्यू लुक के साथ सेक्विन वर्क शिफॉन साड़ी आपके स्टाइलिश लुक में चार चांद लगाने का काम करेगी और आप इसमें बेहद खूबसूरत नजर आएंगी। आपको आसानी से यह साड़ी ऑनलाइन और ऑफलाइन में 2,000 से 4,000 रुपए के बीच में मिल जाएगी। इस तह की साड़ी के साथ आप पर्ल वर्क वाली ज्वेलरी या फिर चोकर वाली ज्वेलरी पहन सकती हैं।

सेक्विन वर्क नेट साड़ी

आप शादी में पहनने के लिए सेक्विन वर्क नेट साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। यह साड़ी नेट में है और इसमें फ्लोरल डिजाइन में सेक्विन वर्क किया है। यह आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेगा। इस साड़ी के साथ आप झुमके पहन सकती हैं।

वेडिंग ज्वेलरी को डेलीवियर के साथ स्टाइल करने के लिए अपनाएं हैक्स

अगर आप किसी फंक्शन के लिए तैयार हो रही हैं तो ऐसे में आप अपनी वेडिंग ज्वेलरी को मिनिमलिस्टिक ज्वेलरी के साथ पेयर करें। मसलन, हैवी वेडिंग नेकलेस या पेंडेंट को हल्के व मिनिमल चेन के साथ लेयर करके पहनें।

शादी का दिन किसी भी लड़की के लिए बेहद खास होता है और इस दिन वह सबसे खूबसूरत दिखना चाहती है। एक दुल्हन की खूबसूरती को निखारने में गहनों का भी अहम् रोल होता है। वेडिंग ज्वेलरी अमूमन काफी हैवी होती है और इसलिए हम इसे दोबारा नहीं पहन पाती हैं। जबकि इस ज्वेलरी को लेकर हमारे दिल में एक खास जगह होती है। हम ज्वेलरी के रूप में उन यादों को संजोना चाहते हैं, लेकिन इन्हें बार-बार पहनना संभव नहीं होता है।

और जानें

हालांकि, अगर आप थोड़ा क्रिएटिविटी दिखाती हैं तो आप वेडिंग ज्वेलरी को भी कई बार पहन सकती हैं। बहुत कम लड़कियों को इस बात की जानकारी है कि वेडिंग ज्वेलरी को डेली वियर के साथ भी कैरी किया जा सकता है। बस आपको इसे बैलेंस तरीके से पहनने की जरूरत होती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप अपनी वेडिंग ज्वेलरी को डेलीवियर में दोबारा किस तरह कैरी कर सकती हैं-

मिनिमलिस्टिक ज्वेलरी के साथ करें लेयर

अगर आप किसी फंक्शन के लिए तैयार हो रही हैं तो ऐसे में आप अपनी वेडिंग ज्वेलरी को मिनिमलिस्टिक ज्वेलरी के साथ पेयर करें। मसलन, हैवी वेडिंग नेकलेस या पेंडेंट को हल्के व मिनिमल चेन के साथ लेयर करके पहनें। आप अपने वेडिंग पेंडेंट को एक स्लीक गोल्ड या सिल्वर चेन पर ड्रेप करें और इसे अलग-अलग लंबाई की एक या दो खूबसूरत चेन के साथ लेयर करें।

मांग टीका को ब्रोच या पेंडेंट की तरह पहनें

आप अपने वेडिंग ज्वेलरी में पहने जाने वाले मांग टीका को ब्लेज़र या स्कार्फ़ से ब्रोच की तरह या पेंडेंट की तरह पहनें। मसलन, आप फ़ॉर्मल आउटफिट के लिए मांग टीका को अपने ब्लेज़र के लैपल या पॉकेट पर पिन करें। वहीं, कैजुअल टॉप के साथ पेयर करने के लिए इसे चेन से जोड़ें।

कैजुअल आउटफिट के साथ पेयर करें बोल्ड नेकपीस

अगर आप अपने कैजुअल आउटफिट को एक यूनिक तरीके से स्टाइल करना चाहती हैं तो ऐसे में आप उसके साथ अपनी वेडिंग ज्वेलरी स्टाइल करें। मसलन, आप अपने वेडिंग चोकर या कॉलर नेकलेस को बेसिक टॉप या शर्ट के साथ पहनें। फ्यूजन लुक के लिए क्रिस्प व्हाइट बटन-डाउन शर्ट के ऊपर चोकर पहनें। वहीं, मॉडर्न लुक के लिए इसे प्लेन टर्टलनेक या मोनोक्रोम ड्रेस के साथ पहनें।

सर्दियों में एक्ने-पिंपल से ऐसे पाएं छुटकारा

सर्दी के मौसम में सबसे ज्यादा पिंपल्स की समस्या बढ़ने लगती है। ऑयली स्किन और ड्राई स्किन वालों को एक्ने की समस्या झेलने पड़ती है। जिस कारण से सीबम का प्रोडक्शन हो सकता है। विंटर में बाहरी हवा की वजह से स्किन ड्राई होने लगती है। जिससे ऑयली स्किन और ड्राई स्किन वालों की भी एक्ने की समस्या बढ जाती है। जानें एक्न-पिंपल्स कैसे पाएं छुटकारा

चेहरे को बार-बार न छुएं

स्किन की ड्राईनेस दूर करने के लिए मॉइश्चराइज करना जरुरी होता है। सर्दियों में हीटर, ब्लोअर में रहने, गर्म पानी से मुंह धोने की वजह से स्किन का हाइड्रेशन खत्म होने लगता है। स्किन को ड्राईनेस से जरुर बचाएं।

एलोवेरा जेल लगाएं

अगर आप भी सर्दियों में बार-बार एक्ने निकल रहे हैं, तो आप रात को एलोवेरा जेल लगाकर सो सकते है। यह ऑयल को कंट्रोल करता है और एक्ने से राहत देता है बल्कि स्किन की जलन को भी दूर करता है साथ ही हाइड्रेशन भी देता है।

पिंपल पर लगाएं ये फेस पैक

जिन लोगों को पिंपल और एक्ने की समस्या रहती है वो

लोग इस पैक को जरुर लगाएं। इसे बनाने के लिए दालचीनी पाउडर एक चम्मच लेकर उसमें मेथी का पाउडर मिला लीजिए। इसके साथ ही नींबू के रस की कुछ बूंद मिलाकर गाढ़ा चिपचिपा सा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सिर्फ पिंपल पर लगाएं और इसे लगे रहने दें। इसे आप 2-3 घंटे तक लगे रहने दे या फिर रातभर छोड़ दीजिए, अगले सुबह चेहरे को धो ले। पिंपल खत्म करने में ये फेस पैके मदद करेगा।

ओट्स का फेस पैक

इस पैक को बनाने के लिए ओट्स का पाउडर, शहद और दही को बराबर हिस्सों लेकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। इसे पिंपल की समस्या दूर होती है और जलन में राहत होती है।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है।

वृष नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

मिथुन प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी।

कर्क आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

सिंह परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा।

कन्या यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम न उठाएं।

वृश्चिक आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। यात्रा लाभदायक रहेगी।

धनु उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंग। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। लाभ में वृद्धि होगी।

मकर स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

कुंभ व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। रोजगार मिलेगा।

कर्जा मुक्ति के उपाय

मित्रों हमारे शास्त्रों में कहा गया है की व्यक्ति को यथासंभव कर्जा लेने से बचना चाहिए। कर्ज लेना किसी को भी अच्छा नहीं लगता लेकिन कई बार मज़बूरी वश या अपनी आवश्यकताओं के कारण लोगो को कर्जा लेना ही पड़ता है। कर्ज लेने वाले व्यक्ति को सामने वाले की बहुत सी सही / गलत मनमानी शर्तों को भी मानना पड़ता है।आजकल तो हर छोटा बड़ा आदमी कहीं न कहीं से मकान, गाड़ी,गृह उपोयोगी वस्तुओं,शिक्षा, व्यापार आदि के लिए कर्ज लेता है। कई बार गलत समय पर कर्ज लेने के कारण या किसी भी अन्य कारण से कर्ज लेने के बाद उसे लौटाना व्यक्ति को भारी हो जाता है वह लाख चाहकर भी कर्ज समय पर नहीं चुका पाता है उस पर कर्ज लगातार बहुत अधिक बड़ता ही जाता है और कई बार तो उसकी पूरी जिंदगी कर्ज चुकाते-चुकाते समाप्त हो जाती है। यहां पर हम शास्त्रों और प्राचीन मान्यताओं के अनुसार कर्ज लेने व देने संबंधी कुछ आसान से उपाय बता रहे हैं। इन पर अमल करने पर निश्चित ही आपका कर्ज, बिल्कुल समय से सुविधानुसार आपके सिर से उतर जाएगा।

कर्जा मुक्ति मन्त्र

1 - ॐ ऋण-मुक्तेश्वर महादेवाय नमः

2 - ॐ मंगलमूर्तये नमः।

3 - ॐ गं ऋणहर्तायै नमः।

इनमे से किसी भी मन्त्र के नित्य कम से कम एक माला के जप से व्यक्ति को अति शीघ्र कर्जे से मुक्ति मिलती है।

1. पूर्णिमा व मंगलवार के दिन उधार दें और बुधवार को कर्ज लें। 2. कभी भूलकर भी मंगलवार को कर्ज न लें एवं लिए हुए कर्ज की प्रथम किश्त मंगलवार से देना शुरू करें। इससे कर्ज शीघ्र उतर जाता है। 3.कर्ज मुक्ति के लिए ऋणमोचन मंगल स्तोत्र का पाठ करें। 4. कर्जे से मुक्ति पाने के लिए लाल मसूर की दाल का दान दें। 5. अपने घर के ईशान कोण को सदैव स्वच्छ व साफ रखें। 6. ऋणहर्ता गणेश स्तोत्र का शुक्लपक्ष के बुधवार से नित्य पाठ करें।

प्रियंका जैन
9769994439

7. बुधवार को सवा पाव मूंग उबालकर घी-शक्कर मिलाकर गाय को खिलाने से शीघ्र कर्ज से मुक्ति मिलती है।

8. सरसों का तेल मिट्टी के दीये में भरकर, फिर मिट्टी के दीये का ढक्कन लगाकर किसी नदी या तालाब के किनारे शनिवार के दिन सूर्यास्त के समय जमीन में गाड़ देने से कर्ज मुक्त हो सकते हैं।

9. घर की चौखट पर अभिमंत्रित काले घोड़े की नाल शनिवार के दिन लगाएं।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

खबर संक्षेप

झामुमो विधायक के काफिले की 6 गाड़ियां आपस में टकराईं

गढ़वा। गढ़वा जिले से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) एक नवनिर्वाचित विधायक की गाड़ियों का काफिला आपस में टकरा गया। इसमें 3 गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। दुर्घटना भवनाथपुर-श्रीबंशीधरनगर मुख्य पथ पर वन डिपो के पास हुई। विधायक अनंत प्रताप देव एक दर्जन गाड़ियों के काफिले के साथ पूजा-पाठ करने के लिए केतार मंदिर जा रहे थे। गनीमत यह रही कि दुर्घटना में किसी को चोट नहीं आई। क्षतिग्रस्त गाड़ियों में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के श्रीबंशीधरनगर अनुमंडल अध्यक्ष ग्यासुद्दीन अंसारी की स्कॉर्पियो (JH03 AN 3525), श्रीबंशीधरनगर प्रखंड उपाध्यक्ष मिथिलेश सिंह उर्फ बंटू सिंह की कार (JH 01EN 5249), यदपुरा निवासी रामनाथ राम की कार (JH01 EN 7531) और 3 अन्य गाड़ियां एक दूसरे से टकरा गईं। श्रीबंशीधरनगर प्रखंड के उपाध्यक्ष मिथिलेश कुमार सिंह ने बताया कि विधायक अनंत प्रताप देव के काफिले में एक दर्जन से अधिक गाड़ियां चल रहीं थीं। सभी लोग विधायक के साथ केतार मंदिर दर्शन करने जा रहे थे। भवनाथपुर वन डिपो के पास भवनाथपुर की तरफ से काफिले में शामिल होने के लिए एक कार आ रही थी।

साहिबगंज में पेट्रोल पंप मालिक की गोली मारकर हत्या

साहिबगंज। साहिबगंज के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र में दो नकाबपोश अपराधियों ने गंगोत्री फिलिंग स्टेशन के मालिक शालिग्राम मंडल को गोली मार दी। घायल शालिग्राम को आनन-फानन में राजमहल अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शालिग्राम बैंक जा रहे थे पैसे जमा करने जानकारी के मुताबिक राजमहल मेन रोड के लालवन बाइपास के पास सोमवार को नकाबपोश अपराधियो ने लगभग 10:45 बजे मंडल कोच बस और गंगोत्री फिलिंग स्टेशन बभनगामा के मालिक शालिग्राम मंडल की गोली मारकर हत्या कर दी। राजमहल थाना क्षेत्र दलाही गांव निवासी शालिग्राम मंडल रोज की तरह तीनपहाड़ अस्थायी बस स्टैंड गए उसके बाद अपने गंगोत्री फिलिग स्टेशन बभनगामा से लाखों रुपए नगद लेकर भारतीय स्टेट बैंक पररिया के लिये निकल गए। जैसे ही वह लालवन बाईपास पार किया दो नकाबपोश अपराधियो ने उनको साइड से सटा कर गोली मार दी जिससे वह वहीं गिर गए।

रंगकर्मी और जेजेएमपी उग्रवादी गिरफ्तार

सुजीत सिन्हा गिरोह के लिए करते थे काम

एजेंसी । पलामू

पलामू पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। रंगकर्मी अशफाक खान और जेजेएमपी उग्रवादी संगठन के सक्रिय सदस्य दीपक भुईयां समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है, जो सुजीत सिन्हा गिरोह के लिए काम करते थे। पुलिस ने क्रशर व्यापारियों को धमकी देने और फायरिंग के मामले में इन्हें गिरफ्तार किया है। इनके पास से 4 हथियार, 3 कारतूस, 3 मोटरसाइकिल और 7 स्मार्टफोन बरामद हुए हैं।

चैनपुर के सलतुआ रोड से हुई 6 लोगों की गिरफ्तारी

पलामू की एसपी रीष्मा रमेशन ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके यह जानकारी दी। एसपी ने बताया कि रविवार को सूचना मिली कि चैनपुर थाना के सलतुआ रोड में 5-6 लोग देसी पिस्टल और कट्टा लेकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की।

दोकरा क्रशर माइंस में रंगदारी के लिए की थी फायरिंग

पुलिस की टीम ने 3 बाइक पर सवार होकर जा रहे अशफाक खान (25), कुश कुमार यादव (21), दीपक कुमार भुईयां (30), गुलशन कुमार विश्वकर्मा (22), आसिफ खान उर्फ राजा खान (22) और वर्षीय फरहान कुरैशी उर्फ शैलू कुरैशी उर्फ छोटू (24) को पुलिस ने पकड़ लिया। एसपी ने बताया कि इन्हीं आरोपियों ने दोकरा क्रशर माइंस में रंगदारी के लिए फायरिंग की थी। इनके पास से लूटा गया एक मोबाइल बरामद हुआ है।

छोटू डोम हत्याकांड में जेल जा चुका है फरहान कुरैशी

एसपी ने बताया कि छोटू डोम हत्याकांड में फरहान कुरैशी जेल जा चुका है। सुजीत सिन्हा के गिरोह का एक व्यक्ति भी जेल में था। जेल में ही उनकी जान-पहचान हुई। जेल से निकलने के बाद वह सुजीत सिन्हा गैंग के लिए काम करने लगा।

जेजेएमपी का सक्रिय सदस्य है दीपक भुईयां

एसपी ने बताया कि दीपक भुईयां जेजेएमपी का सक्रिय सदस्य है। उसने लातेहार जिले में एक केस के सिलसिले में 29 फरवरी को सरेंडर किया था। इसके बाद कुछ दिनों तक जेल में रहने के बाद बाहर आया, तो सुजीत सिन्हा गैंग से जुड़ गया। ए

सुजीत सिन्हा गिरोह से लोगों को जोड़ता था रंगकर्मी अशफाक

पलामू की एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि रंगकर्मी अशफाक खान सुजीत सिन्हा गिरोह से लोगों को जोड़ने का काम करता है। इसके लिए वह नये लड़कों की खोज करता था। नये लड़कों को सुजीत सिन्हा गैंग से जोड़ता था। बाद में अपराध की वारदात को अंजाम दिया जाता था। एसपी ने कहा कि एक नाटक ग्रुप से भी यह शख्स जुड़ा है। एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (एटीएस) मामले की जांच कर रहा है।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

फाफामऊ। बस की टक्कर से दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फाफामऊ क्षेत्र के मोरहूं गांव का मिथिलेश उर्फ कल्लू यादव (40) पुत्र भोला यादव ठेले पर अंडा लगाकर अपने परिवार का गुजर बसर करता था। वह सोमवार को अपने साथी गद्दोपुर निवासी लालचंद्र (38) पुत्र रामनाथ के साथ घर से बीबीएस इंजीनियरिंग कॉलेज की ओर जा रहा था। शहर की ओर जा रही रोडवेज बस ने बाइक में

टक्कर मार दिया। जिससे दोनों छिटककर सड़क पर जा गिरे।

चालक बस छोड़कर भागा

राहगीरों की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। मिथिलेश यादव की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल लालचंद्र को फाफामऊ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उसे एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसआरएन ले जाते समय रास्ते में ही उसकी भी सांसें थम गईं। मौत की सूचना से दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। मिथिलेश तीन भाईयों में सबसे छोटा था। मिथिलेश की पत्नी आरती देवी और सभी छह बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल हो रहा है। लालचंद्र तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। सूचना पाकर लालचंद्र के भाई सुंदरलाल और दीपचंद्र भी मौके पर पहुंच गए। चालक बस छोड़कर फरार हो गया। बस पर बैठे यात्री अपने साधन से गंतव्य की ओर रवाना हुए।

शादी समारोह में गया परिवार, दो घंटे में 8 लाख के जेवरात व नकद की चोरी

जमशेदपुर। सिदगोड़ा थानांतर्गत एग्रिको Road numaber-1 क्वार्टर नंबर L/5/71 के रहने वाले Tata Steel कर्मचारी रवि शंकर मिश्रा के घर का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने करीब आठ लाख रुपये के गहने और नकद 25 हजार रुपये की चोरी कर ली। घटना रविवार की रात करीब आठ बजे से 11।30 बजे के बीच की है। घटना के संबंध में रविशंकर मिश्रा ने Sidgora थाना में अज्ञात के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराया है। घटना के संबंध में रविशंकर ने बताया कि उनके एक रिश्तेदार का शादी समारोह था। एग्रिको क्लब हाउस में कार्यक्रम का आयोजन था। रविवार की रात करीब आठ बजे परिवार के सभी लोग क्वार्टर में ताला बंद कर एग्रिको क्लब हाउस चले गये। उसी दौरान रात करीब 11।30 बजे उनका बेटा कोई काम से अपने क्वार्टर पर आया। जब उसने बाहर गेट का ताला खोल कर गेट खोलने का प्रयास किया तो गेट भीतर से बंद पाया। फिर जब उसने हल्ला मचाया तो चोर पीछे के गेट से फरार हो गये। उसके बाद उसने घटना की जानकारी अपने फोन कर दी। इसके बाद परिवार के सभी लोग घर पहुंचे।

रविशंकर ने बताया कि चोर गिरोह के लोग क्वार्टर के पीछे का दीवार फांद कर घर में प्रवेश किया। उसके बाद पीछे का गेट को खोल करा अन्य साथियों को घर में प्रवेश कराया। इस दौरान चोरों ने लोहे का औजार से बंद लकड़ी का दरवाजा को तोड़ा। उसके बाद अलमारी और पलंग के बॉक्स में रखे सभी सोने-चांदी के गहने और नकद रुपये लेकर फरार हो गये। उन लोगों ने CCTV Camera का Recording चिप्स भी लेकर फरार हो गये। उन्होंने बताया कि चोरों ने घर के एक- एक सामान की छानबीन की है। अगर उनका बेटा नहीं आता तो यह संभव था कि और भी कई सामान की चोरी कर लेते।

खेत में पड़ा मिला युवक का शव

पहले टेप से बांधे हाथ, फिर मुंह पर चिपकाया; गर्दन रेती, चेहरा जलाया

अलीगढ़। युवक का शव खेत में पड़ा मिला है। युवक के हाथ और मुंह को बांधा गया। उसकी गर्दन रेती और पहचान छिपाने के लिए चेहरे को जला दिया गया। थाना छर्रा के अतरौली रोड़ स्थित गुप्ता मोड़ के निकट हबीबपुर बंबा के पास खेत में अज्ञात शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस अधिकारी मय फोर्स के घटनास्थल पर पहुंच गए। शव की शिनाख्त नहीं हुई है। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। साथ ही पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लग गई है। 2 दिसंबर की सुबह लगभग 11 बजे खेत में शव पड़ा देख ग्रामीणों ने डायल 112 पर सूचना दी। सूचना पर सीओ छर्रा महेश कुमार एवं थाना कोतवाली निरीक्षक राजेश कुमार मय फोर्स के घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल की जांच करते हुए शव की शिनाख्त हेतु ग्रामीणों को बुलाकर पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं मिली। सूचना पर एसपीआरए मुकेश चन्द्र उत्तम, एएसपी अरीबा नोमान, एसडीएम अतरौली साहिल कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने मामले से जुड़े साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फिल्मी स्टाइल में की हत्या

पुलिस शव की हालत देखकर हैरान रह गई। शव के दोनों हाथ कपडे. की टेप से बंधे हुये थे। शव का गला रेता हुआ था। हत्यारे ने शव की पहचान छुपाने के लिए आस-पास पड़ी पॉलिथीन को चेहरे पर रखकर पूरी तरह से जला दिया। जिससे शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने बताया कि मृतक लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच में होगा। साथ ही युवक ने गहरे हरे रंग का लॉअर, नीली और सफेद चेक की शर्ट पहन रखी है। उसके हाथ में कड़ा है और दोनों हाथों पर टैटू बना हुआ है।

शिनाख्त के साथ सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस की मदद लेगी पुलिस

छर्रा कोतवाली पुलिस के अनुसार शव की शिनाख्त के लिए सोशल मीडिया के अलावा अलीगढ़ एवं जनपद के बाहर थानों से सम्पर्क किया जाएगा। साथ ही हत्या की घटना के खुलासे के लिए सीसीटीवी फुटे व सर्विलांस टीम की मदद ली जायेगी।

संभल जाने से रोकने पर कांग्रेसियों और पुलिस में झड़प

संभल। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय आज संभल जाने का प्रयास कर रहे हैं। उनके साथ दर्जनों कांग्रेस नेता वहां जाने के लिए पहुंचे हैं। पुलिस ने उन्हें पार्टी कार्यालय के गेट पर ही रोक लिया । कार्यकर्ता पुलिस व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हंगामा कर रहे हैं। पुलिस के अलावा दो गाड़ी पीएसी भी बुलाई गई थी। संभल जाने से रोकने पर कार्यकर्ताओं और पुलिस में हल्की झड़प भी देखने को मिली। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय धरने पर बैठ गए। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए हंगामा किया। अजय राय ने कहा कि जब भी प्रतिबंध हटेगा तो कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल संभल जरूर जाएगा। हम संभल जाकर वहां की स्थिति की अपने स्तर पर जांच करेंगे। यह भी खुलासा करेंगे कि पुलिस प्रशासन के लोग किस तरह से गलत जांच रिपोर्ट पेश करते हैं। अजय राय ने कहा कि जब भी प्रतिबंध हटेगा तो कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल संभल जरूर जाएगा।

व्यापार जगत

सरकार ने पेट्रोल-डीजल और ATF से विंडफॉल टैक्स हटाया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा नोटिफिकेशन में दी जानकारी

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF), पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी (SAED), यानी विंडफॉल टैक्स को हटा दिया है। अब पेट्रोल-डीजल का एक्सपोर्ट करने वाली रिफाइनिंग कंपनियों को कोई विंडफॉल टैक्स नहीं देना होगा। साथ ही सरकार ने क्रूड प्रोडक्ट्स पर लगाए जाने वाले विंडफॉल टैक्स को भी हटा दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में नोटिफिकेशन पेश किया, जिसमें यह जानकारी दी गई थी।

सरकार ने अगस्त में भी क्रूड ऑयल पर विंडफॉल टैक्स घटाया था

तीन महीने पहले सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादन किए जाने वाले क्रूड ऑयल के एक्सपोर्ट पर विंडफॉल टैक्स को घटाया था। अपनी रेगुलर रिव्यू में सरकार ने विंडफॉल टैक्स को 2,100 रुपए प्रति मीट्रिक टन से घटाकर 1,850 रुपए प्रति मीट्रिक टन किया था। यह बदलाव 31 अगस्त से लागू हुआ था। सरकार हर 15 दिन पर विंडफॉल टैक्स रिव्यू करती है। इससे पहले सरकार ने 16 अगस्त को विंडफॉल टैक्स 4,600 रुपए प्रति मीट्रिक टन से 54.34% घटाकर 2,100 रुपए प्रति मीट्रिक टन कर दिया था। इस हिसाब से अगस्त महीने में दो बार में सरकार ने 59.78% विंडफॉल टैक्स घटा दिया था। वहीं, दूसरी ओर सरकार ने डीजल, पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) यानी एयरक्राफ्ट में इस्तेमाल होने वाले ईंधन पर एक्सपोर्ट ड्यूटी को शून्य पर बनाए रखने का फैसला किया था। यानी घरेलू रिफाइनरों को डीजल, पेट्रोल और ATF के निर्यात पर मिल रही छूट आगे भी बरकरार रहने वाली है। इससे उन घरेलू कंपनियों को फायदा होता रहेगा, जो रिफाइनरी चलाती हैं और डीजल, पेट्रोल और ATF जैसे रिफाइंड प्रोडक्ट को देश के बाहर के बाजारों में बेचती हैं।

शेयर बाजार ने की स्मार्ट रिकवरी

सेंसेक्स 445 अंक चढ़कर 80 हजारी हुआ

RIL और इंफोसिस के शेयर चमके

मुंबई। ब्लू-चिप शेयरों रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और एचडीएफसी बैंक में खरीदारी के बीच हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को लगातार दूसरे सत्र में भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिकी बाजारों में मजबूती से भी देसी शेयर बाजार को सहारा मिला। बेंचमार्क इंडेक्स, सेंसेक्स शुरुआती गिरावट से भी उभरते हुए करीब 446 अंक चढ़कर एक बार फिर से 80 हजार के पार निकल गया। निफ्टी 50 में जी तेजी देखी गई। 30 शेयरों वाला, बीएसई सेंसेक्स 445.29 अंक या 0.56 प्रतिशत की शानदार बढ़त लेकर 80,248.08 पर बंद हुआ। इससे पहले, यह इंडेक्स शुरुआती कारोबार में 493.84 अंक की गिरावट क साथ 79,308.95 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 80,337.82 की ऊंचाई तक पहुंचा था।

वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी 50 144.95 अंक या 0.6 प्रतिशत मजबूत होकर 24,276.05 पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 24,008.65 और 24,301.70 के रेंज में कारोबार हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान पर बंद हुए

अल्ट्राटेक सीमेंट, JSW स्टील, अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा और टाइटन सेंसेक्स के टॉप-5 गेनर्स रहे। इसके अलावा, मारुति, M&M, सन फार्मा, टाटा स्टील, रिलायंस, HCL टेक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, नेस्ले इंडिया, टाटा मोटर्स, HDFC बैंक, ICICI बैंक, एक्सिस बैंक और ITC के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी तरफ, सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 9 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। NTPC, कोटक बैंक, HUL, इंडसइंड बैंक और पावर ग्रिड सेंसेक्स के टॉप 5 लूजर्स रहे। इसके अलावा, L&T, SBI, एशियन पेंट्स और TCS के शेयर भी नुकसान में रहे। पिछले कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में रौनक लौटी थी। बाजार में तेजी की अगुवाई हेल्थकेयर और फार्मा शेयरों ने की। इसके साथ ही, रिलायंस और भारती एयरटेल के शेयरों में तेजी से भी बाजार को दम मिला।

ओला स्टोर्स एक महीने में 800 से बढ़कर 4,000 होंगे

CEO भाविश अग्रवाल ने पोस्ट शेयर कर बताया, कंपनी का शेयर 6% चढ़ा

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के CEO भाविश अग्रवाल ने कहा कि एक महीने में कंपनी के स्टोर्स 800 से बढ़ाकर 4,000 कर दिए जाएंगे। भाविश अग्रवाल ने सोमवार (2 दिसंबर) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी। भाविश अग्रवाल ने पोस्ट शेयर कर लिखा, 'इस महीने इलेक्ट्रिक रेवोल्यूशन को

अगले स्तर पर ले जा रहे हैं। हम 800 स्टोर्स से इस महीने ही 4000 स्टोर्स तक पहुंच जाएंगे। हमारा टारगेट अपने ग्राहकों के जितना संभव हो सके उतना करीब पहुंचना है। 20 दिसंबर को पूरे भारत में सभी स्टोर्स एक साथ खुलेंगे। यह अब तक का सबसे बड़ा एक दिन का स्टोर ओपनिंग होगा। सभी स्टोर्स में सर्विस कैपेसिटी भी है।' इस खबर से ओला का शेयर आज 6% से ज्यादा की तेजी के साथ 93.06 रुपए पर बंद हुआ। बीते 5 दिन में ओला का शेयर 30% से ज्यादा चढ़ा है। बीते एक महीने में कंपनी के शेयर ने निवेशकों को 15% का रिटर्न दिया है। कंपनी का मार्केट कैप 39.20 हजार करोड़ रुपए है। कंपनी का शेयर BSE-NSE पर 9 अगस्त को लिस्ट हुआ था। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी IPO 2 अगस्त को ओपन और 6 अगस्त को क्लोज हुआ था।

देश में अब हर चौथा शेयर निवेशक महिला

कुल 10.5 करोड़ में 2.5 करोड़ महिलाएं, गोवा में सबसे ज्यादा 32%

मुंबई। शेयर बाजार में महिला निवेशक लगातार बढ़ रही हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर तक देश में कुल 10.55 करोड़ व्यक्तिगत निवेशक थे। इसमें महिलाओं की हिस्सेदारी 2.52 करोड़ यानी 23.9% रही। वित्त वर्ष 2023-24 में इनकी हिस्सेदारी 23% और 2022-23 में 22.5% थी। NSE के डेटा के

मुताबिक, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में कुल शेयर निवेशकों में महिलाओं की हिस्सेदारी 27% से ज्यादा हो गई है। एक साल पहले इन राज्यों में महिलाओं की हिस्सेदारी 27% से कम थी। इस साल दिल्ली में महिला निवेशकों की हिस्सेदारी 29.8% तक पहुंच गई। गोवा के निवेशकों में महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 32% हो गई है।

ड्रॉ की हैट्रिक के बाद गुकेश और लिरेन की निगाहें जीत पर

4 दौर के मुकाबले के अब तक स्कोर 3-3 अंक की बराबरी पर

सातवें दौर में आज आमने-सामने होंगे दोनों ग्रैंडमास्टर

- 22वें स्थान पर फिलहाल विश्व रैंकिंग में मौजूद हैं डिंग लिरेन, 2728 रेटिंग के साथ
- 05वें स्थान पर मौजूद हैं फिलहाल गुकेश विश्व रैंकिंग में 2783 रेटिंग के साथ

एजेंसी । सिंगापुर

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश और गत चैंपियन डिंग लिरेन मंगलवार को यहां विश्व शतरंज चैंपियनशिप के सातवें दौर में आमने-सामने होंगे। लगातार तीन बाजियां ड्रॉ खेलने के बाद इस मुकाबले में दोनों का लक्ष्य जीत हासिल करके टूर्नामेंट में बढ़त लेना होगा। शतरंज के कई जानकारों की नजर में खिताब के प्रबल दावेदार 18 वर्षीय गुकेश अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। वह काफी सतर्कता के साथ खेल रहे हैं और उन्होंने अभी तक किसी तरह का जोखिम लेना उचित नहीं समझा है। दोनों खिलाड़ी अभी तीन-तीन अंक लेकर बराबरी पर हैं। गुकेश सफेद मोहरों से खेलने के बावजूद पहली बाजी हार गए थे लेकिन दूसरी बाजी इस भारतीय खिलाड़ी के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली थी क्योंकि चीन के खिलाड़ी ने जीत के लिए किसी तरह का प्रयास नहीं किया और आसान ड्रॉ होने दिया।

वापसी के बाद सावधानी

गुकेश ने लिरेन की गलती का फायदा उठाकर तीसरी बाजी जीतकर अच्छी वापसी की लेकिन इसके बाद अगली तीन बाजियों में सावधानी के साथ खेलते हुए किसी भी खिलाड़ी ने जोखिम लेना उचित नहीं समझा और आपस में अंक बांटे। यह मुकाबला 14 दौर का है और जो भी खिलाड़ी पहले 7.5 अंक बनाएगा, वह विश्व चैंपियन बनेगा। अभी तक दोनों खिलाड़ियों ने जिस तरह का खेल दिखाया है उसे देखते हुए किसी को भी प्रबल दावेदार नहीं माना जा सकता।

सातवीं बाजी सफेद मोहरों से खेलेंगे गुकेश

गुकेश मंगलवार को सातवीं बाजी सफेद मोहरों से खेलेंगे। वह इसका फायदा उठाकर चीन के खिलाड़ी पर दबाव बनाना चाहेंगे। गुकेश अगली तीन बाजियों में से दो बाजी सफेद मोहरों से खेलेंगे और अगर उन्हें विश्व चैंपियन बनने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाने हैं तो उन्हें इनमें अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। सातवीं बाजी भारतीय समयानुसार दोपहर बाद दो बजकर 30 मिनट पर शुरू होगी।

सील्स के कहर से बांग्लादेश के खिलाफ विंडीज मजबूत स्थिति में

एजेंसी । किंग्स्टन

तेज गेंदबाज जायडन सील्स की खतरनाक गेंदबाजी (15.5 ओवर, पांच रन, चार विकेट) की मदद से वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन ही शिकंजा कस लिया। सील्स ने कुल 10 मेडन ओवर फेंके और बांग्लादेश को पहली पारी में 71.5 ओवर में 164 रन पर आउट करने में अहम भूमिका निभाई। वेस्टइंडीज ने इसके जवाब में दूसरे दिन रविवार रात खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 70 रन बना लिए थे। स्टंप्स के समय कप्तान क्रैग ब्रेथवेट 33 रन और कीसी कार्टी 19 रन बनाकर खेल रहे थे। बांग्लादेश को एकमात्र सफलता मिकाइल लुइस के रूप में मिली जिन्हें नाहिद राणा ने विकेट के पीछे कैच कराया।

पहले दिन गीली आउटफील्ड और खराब रोशनी के कारण केवल 30 ओवर फेंके गए थे। दूसरे दिन भी लगभग 80 ओवरों के बाद खराब रोशनी के कारण खेल जल्दी समाप्त कर दिया गया। सुबह बांग्लादेश ने दो विकेट पर 69 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन उसका कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम ने सर्वाधिक 64 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और एक छक्का शामिल है। कप्तान महेदी हसन मिराज ने 75 गेंदों में 36 रन का योगदान दिया।

पैरा शटलर नितेश 'साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के दावेदार

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के पैरालंपिक चैंपियन कुमार नितेश को तीन अन्य खिलाड़ियों के साथ विश्व बैडमिंटन महासंघ के (बीडब्ल्यूएफ) साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। बीडब्ल्यूएफ ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पेरिस पैरालंपिक (2024) में 'एसएल3 श्रेणी में पहला स्वर्ण जीतने वाले 29 वर्षीय नितेश मलेशिया के दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेह लिक होउ (एसयू5), जापान के डाइकी काजीवारा (डब्ल्यूएच2) और चीन के क्यू जिमो (डब्ल्यूएच1) के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। नितेश विश्व चैंपियनशिप के दो बार के रजत और एक बार के कांस्य विजेता भी हैं। महिला वर्ग में ली फेंग मेई, सरीना सतोमी, लियू यू टोंग और लीनी रात्री ओक्टिला इस पुरस्कार की दावेदार हैं।

अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व कर सकेंगे रेलवे के पहलवान

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) रेलवे के पहलवानों को आगामी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देगा क्योंकि इस विभागीय टीम ने वार्षिक प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां नहीं भेजी हैं। डब्ल्यूएफआई रेलवे के इस फैसले पर वार्षिक आम बैठक में चर्चा करेगा।

शुक्रवार, 6 दिसंबर से बेंगलुरु में शुरू होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए रेलवे की कोई टीम नहीं चुनी गई क्योंकि राष्ट्रीय महासंघ निलंबित है। फ्रीस्टाइल और ग्रीको रोमन सहित 81 पुरुष पहलवान रेलवे से जुड़े हुए हैं। इन पहलवानों के लिए एक कोचिंग शिविर कपूरथला में चल रहा है लेकिन राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए टीमों का चयन करने के लिए ट्रायल आयोजित नहीं किए गए जिससे एथलीट हैरान हैं। डब्ल्यूएफआई के अधिकारी ने कहा, इसमें पहलवानों की कोई गलती नहीं तो उनका एक साल बर्बाद नहीं करना चाहिए। उनका आगे बढ़ना काफी हद तक राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। इसमें अच्छा प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को भविष्य में देश का प्रतिनिधित्व का मौका मिलेगा।

उन्होंने कहा, जब चिंतित पहलवानों ने हमसे संपर्क किया, तो हमने इस मामले पर बातचीत करने के बाद उन्हें उनके संबंधित राज्यों का प्रतिनिधित्व करने की छूट दे दी। उन्हें अगर अपने राज्य से चुना जाता है तो उन्हें प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा। ऐसे पहलवानों के पास रेलवे से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं होने के बाद भी हम उन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने का विकल्प होगा। उन्होंने कहा, सभी संबद्ध राज्य इकाइयां टीमें भेज रही हैं, यहां तक कि सेना खेल संवर्धन बोर्ड (एसएससीबी) ने भी प्रविष्टियां भेजी हैं। हमने रेलवे की प्रविष्टियां प्राप्त करने के लिए 30 नवंबर तक इंतजार किया, लेकिन उन्होंने नहीं भेजीं।

पूर्व विश्व स्नूकर चैंपियन टेरी ग्रिफिथ्स का निधन

एजेंसी । वेल्स

क्वालीफायर के रूप में विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले वेल्स के स्नूकर खिलाड़ी टेरी ग्रिफिथ्स का निधन हो गया। वह 77 बर्ष के थे। उन्होंने स्टीफन हेंड्री और मार्क विलियम्स जैसे शीर्ष खिलाड़ियों को कोचिंग भी दी। विश्व स्नूकर ने सोमवार तड़के ग्रिफिथ्स के निधन की घोषणा की। उनके बेटे वेन ने फेसबुक पर पोस्ट में लिखा कि उनके पिता का रविवार को निधन हो गया। वह डिमेंशिया रोग से जूझ रहे थे। वह 1980 में मास्टर्स और 1982 में यूके चैंपियनशिप जीतने के बाद प्रमुख प्रतियोगिताओं का 'तिहरा खिताब जीतने वाले 11 खिलाड़ियों में से एक थे। ग्रिफिथ्स 1970 और 1980 के दशक के दौरान ब्रिटिश खेलों में सबसे ज्यादा पहचाने जाने वाले लोगों में से एक थे। वह 1979 में डेनिस टेलर को हराकर विश्व चैंपियन बने थे।

मरे को अच्छी तरह जानता हूं इसलिए कोच बनाया : जोकोविच

एजेंसी । ब्यूनस आयर्स

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा कि उन्होंने अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी एंडी मरे को इसलिए अपना कोच नियुक्त किया क्योंकि वह ब्रिटेन के इस पूर्व खिलाड़ी को अच्छी तरह से जानते हैं। छह महीने से बिना कोच के खेलने वाले जोकोविच अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी जुआन मार्टिन डेल पोत्रो के विदाई मैच के लिए यहां आए हैं। उन्होंने और मरे ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वे जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए एक साथ काम करने की योजना बना रहे हैं।

हमने 'सही मिश्रण ढूंढ लिया : पांड्या

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा है कि फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों का 'सही मिश्रण ढूंढ लिया है। पांड्या ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए मुंबई इंडियंस के वीडियो में कहा, मैं टेबल (बोली लगाने वाले लोग) के संपर्क में था कि हम किसके लिए बोली लगाने जा रहे हैं। हमने नीलामी में काफी अच्छा किया और टीम अच्छी दिख रही है। हमने सही मिश्रण ढूंढ लिया है। हमारे पास बोल्टी (ट्रेंट बोल्ट) वापस आया है, दीपक चाहर भी है और साथ ही बिल जैक्स, रोबिन मिंज और रिकेलटन जैसे युवा खिलाड़ी हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमने बहुत अच्छा किया। हमने सभी विभागों पर ध्यान दिया है। मुंबई ने कई अनकैप्ड युवा खिलाड़ियों को खरीदा जिनमें नमन धीर, रोबिन मिंज, विग्नेश पुथुर, अर्जुन तेंदुलकर, बेवन जॉन जैकब्स, वेंकट सत्यनारायण पेनमेत्सा, राज अंगद बावा, श्रीजीत कृष्णन और अश्विनी कुमार शामिल हैं। पांड्या ने इनसे कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया और कहा कि मुंबई के पास उन्हें शीर्ष क्रिकेटरों के रूप में विकसित करने में मदद करने के लिए सर्वोत्तम सुविधाएं हैं।

संतोष ट्रॉफी फुटबॉल का फाइनल राउंड 14 दिसंबर से

एजेंसी । नई दिल्ली

संतोष ट्रॉफी के लिए खेली जाने वाली सीनियर राष्ट्रीय फुटबॉल के अंतिम दौर के मुकाबले 14 दिसंबर से हैदराबाद में शुरू होंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने सोमवार को इसकी घोषणा की। इस चरण में 12 टीमें भाग लेंगी। इनमें ग्रुप चरण के नौ विजेता, पिछले सत्र के दो फाइनलिस्ट (सेना और गोवा) और मेजबान तेलंगाना शामिल हैं।

इन्हें छह-छह टीमों के दो ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली चार

टीमें 26 और 27 दिसंबर को खेले जाने वाले क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। क्वार्टर फाइनल तक सभी मैच डेक्कन एरेना में खेले जाएंगे। 29 दिसंबर को सेमीफाइनल और 31 दिसंबर को फाइनल जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में खेला जाएगा।

विक्रांत मैसी ने किया बॉलीवुड से संन्यास का ऐलान

बॉलीवुड एक्टर विक्रांत मैसी की फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' सिनेमाघरों में है। ऐसे में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है। उनका ये पोस्ट फिल्म के बारे में नहीं बल्कि उनकी निजी जिंदगी के बारे में है. इस पोस्ट में उन्होंने बताया है कि वह एक्टिंग से संन्यास ले रहे हैं। '12वीं फेल' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म देने के बाद विक्रांत बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेताओं की कतार में शामिल हो गए। अब उन्होंने घोषणा की है कि वह 37 साल की उम्र में संन्यास ले लेंगे। 'सेक्टर 36' और 'दिलरुबा' जैसी विविधता वाली फिल्में देने वाले विक्रांत ने 2 दिसंबर को एक पोस्ट किया था। उस पोस्ट में उन्होंने कहा था कि वह एक्टिंग से संन्यास ले रहे हैं। उनके पोस्ट पर फैन्स और सेलिब्रिटीज ने रिएक्शन देना शुरू कर दिया है।

विक्रांत मैसी का पोस्ट

'पिछले कुछ साल मेरे लिए काफी असाधारण रहे हैं। आप सभी के सहारे के लिए आपका शुक्रिया। लेकिन, जैसे-जैसे मैं जीवन में आगे बढ़ता हूं, मुझे एहसास होता है कि अब खुद को सुधारने और एक पति, पिता और अभिनेता के रूप में घर लौटने का समय आ गया है,' विक्रांत मैसी ने एक शेयर पोस्ट में लिखा। उन्होंने आगे लिखा, 'सही समय आने तक हम 2025 में आखिरी बार एक-दूसरे को देखेंगे। पिछली दो फिल्मों और कई वर्षों की यादों के लिए सभी को एक बार फिर धन्यवाद। मैं आपका ऋणी रहूँगा।' विक्रांत के ये पोस्ट करते ही फैंस हैरान हो गए हैं। कई लोगों ने उनसे यह फैसला न लेने को कहा है। कुछ ने दिल टूटने वाले इमोजी कमेंट किए हैं। कुछ प्रशंसकों का कहना है कि आप भारत के सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं में से एक हैं, इसलिए इंडस्ट्री मत छोड़ें। विक्रांत की पोस्ट पर एक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने उनके नाम और रेड हार्ट इमोजी के साथ कमेंट किया है। विक्रांत मैसी का टीवी सीरीज से लेकर फिल्मों तक का सफर जारी रहा। टीवी से अपने करियर की शुरुआत करने वाले विक्रांत ने एक्टिंग के दम पर बॉलीवुड में अपनी जगह और फैन बेस बनाया। विक्रांत के पोस्ट के बाद फैंस भी सोच रहे हैं कि क्या वह सच में रिटायर हो रहे हैं या फिल्म के प्रमोशन के लिए ऐसा किया जा रहा है।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ राजस्थान में वेकेशन पर सारा अली खान

बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री सारा अली खान अपने कथित बॉयफ्रेंड के साथ राजस्थान में छुट्टी पर हैं। अफवाह है कि सारा अर्जुन प्रताप बाजवा को डेट कर रही हैं। हाल ही में सारा और अर्जुन राजस्थान में छुट्टियों का लुत्फ़ उठाते नज़र आ रहे हैं। दोनों ने होटल से अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। एक तरफ सारा राजस्थानी माहौल का आनंद लेती नजर आ रही हैं तो वहीं दूसरी तरफ अर्जुन प्रताप बाजवा ने होटल के जिम में एक्सरसाइज करते हुए तस्वीर पोस्ट की है। इस फोटो से फैन्स ने अंदाजा लगा लिया है कि दोनों साथ हैं। इससे पहले सारा अली खान केदारनाथ में अर्जुन के साथ उनकी तस्वीरें खूब वायरल हुई थीं।

सारा अली की निजी जिंदगी काफी चर्चा में रही है। एक्टिंग के अलावा सारा अपने सोशल मीडिया के जरिए भी दर्शकों का मनोरंजन करती हैं। एक्ट्रेस का सिंपल गेस उनके फैंस को हमेशा इम्प्रेस करता है। सारा सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहती हैं। उनकी हर पोस्ट फैन्स का ध्यान खींचती है। सारा अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह फिल्म 'स्काई फोर्स' में नजर आएंगी। इस फिल्म में सारा अली खान एक बार फिर अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। इससे पहले दोनों 'अतरंगी रे' में नजर आए थे। इसके अलावा एक्ट्रेस के पास अनुराग बसु निर्देशित फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' भी है।

सोनाली सहगल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया बेटी का नाम

'प्यार का पंचनामा' फेम एक्ट्रेस सोनाली सहगल के घर हाल ही में एक नन्हा मेहमान आया है। 27 नवंबर को उन्होंने एक बेटी को जन्म दिया। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने बेटी के नाम का ऐलान किया है। सोनाली ने 2023 में बिजनेसमैन आशीष सजनानी से शादी की और डेढ़ साल बाद उनके घर पर शादी हुई। सोनाली और आशीष माता-पिता बन गए हैं। सोशल मीडिया पर देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस ने बेटी के पैरों की एक खूबसूरत फोटो शेयर करके उसका नाम बताया है।

सोशल मीडिया पर शेयर की गई एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'हम अपनी प्यारी बच्ची को आपसे मिलवा रहे हैं। हमने उसका नाम शुक्र रखा है। इसका मतलब है कि जीवन में हमारे पास जो कुछ भी है उसके लिए हम आभारी हैं। उसका जन्म हमारे लिए एक चमत्कार की तरह है। मुझे उम्मीद है कि उसे जिंदगी में सब कुछ मिलेगा। हम उसके जन्म की खुशी को बयां भी नहीं कर सकते।' सोनाली के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने 'प्यार का पंचनामा', 'जय मम्मी दी', 'प्यार का पंचनामा-2', 'सोनू के टीटू की स्वीटी', 'सेटर्स', 'हाइजैक', 'नूरानी चेहरा', 'जाने' में काम किया है।

न्यूज़ ब्रीफ

शिवसेना यूबीटी सांसद ने बांग्लादेश के मुद्दे पर पीएम को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले की घटनाओं को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में शिवसेना यूबीटी सांसद ने प्रधानमंत्री से बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार से इस मुद्दे पर द्विपक्षीय बातचीत करने और मोहम्मद यूनुस सरकार को लक्षित हिंसा के लिए जवाबदेह ठहराने की मांग की। साथ ही बांग्लादेश में हिंदुओं को वहां से सुरक्षित निकालने पर भी विचार करने को कहा।

लोकसभा में तटीय नौवहन विधेयक पेश

नई दिल्ली। तटीय व्यापार को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय सुरक्षा तथा वाणिज्यिक जरूरतों के लिए भारतीय नागरिकों के स्वामित्व वाले तथा उनके द्वारा संचालित जहाजों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए एक विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश किया गया। संभल हिंसा तथा अडानी मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने यह विधेयक पेश किया। कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहीं संध्या रे ने कांग्रेस सदस्यों मनीष तिवारी तथा गौरव गोगोई से बोलने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए मना कर दिया कि सदन में व्यवस्था ठीक नहीं है। यह विधेयक संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले पांच नए उपायों में से एक है।

तमिलनाडु के विल्लुपुरम में बाढ़, कई ट्रेनें रद्द

विल्लुपुरम। चक्रवात फेंगल के कारण तमिलनाडु के विल्लुपुरम बाढ़ की चपेट में है। तमिलनाडु के उत्तरी तटीय क्षेत्र और पुडुचेरी में चक्रवाती तूफान का असर सोमवार को कम हो गया। विल्लुपुरम और आसपास के गांवों को बारिश का खामियाजा भुकतना पड़ रहा है। बाढ़ का पानी निचले इलाकों में बढ़ने लगा है। विल्लुपुरम में विक्रावंडी और मुंडियामपक्कम के बीच एक पुल पर पानी के खतरे के स्तर से ऊपर बढ़ने के कारण दक्षिणी रेलवे ने सोमवार सुबह रेल सेवाओं को निलंबित करने की घोषणा की। स्थिति को देखते हुए कई ट्रेनों को रद्द किया गया, जिसमें एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनें शामिल हैं। धर्मपुरी और कृष्णागिरी जिले भी बाढ़ से प्रभावित हैं। भारी बाढ़ के कारण उथंगराई से कृष्णागिरि और तिरुवन्नामलाई जैसे शहरों तक सड़क क्षतिग्रस्त हो गई।

भारतीय नौसेना दिवस 4 दिसंबर को, पुरी बीच पर होगा भव्य आयोजन

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना 4 दिसंबर 2024 को पुरी, ओडिशा के खूबसूरत ब्लू फ्लैग बीच पर नौसेना दिवस 2024 के अवसर पर एक रोमांचक प्रदर्शन करेगी। इस कार्यक्रम के लिए की मुख्य अतिथि होंगी, राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू। कार्यक्रम में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। समारोह में 15 युद्धपोत, 40 से अधिक विमान, पनडुब्बियां और मरीन कमांडो (मार्कोज) के साथ भारतीय सेना के कर्मी और उपकरण भाग लेंगे। मनाया जाता है। यह कार्यक्रम भारतीय नौसेना की शक्ति और भारत के समुद्री हितों की रक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगा और ओडिशा राज्य के ऐतिहासिक समुद्री महत्व को उजागर करेगा, जो मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास में एक समुद्री महाशक्ति के रूप में पहचाना जाता है।

हंगामे के चलते लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित

अडानी, मणिपुर और संभल मुद्दे को लेकर विपक्षी सदस्यों ने किया प्रदर्शन

एजेंसी । नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र के 5वें कार्य दिवस पर सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में विपक्षी दलों ने अडानी मुद्दे, मणिपुर और संभल में हिंसा पर चर्चा की मांग करते हुए विरोध-प्रदर्शन के साथ नारेबाजी की। हंगामा बढ़ता देख दोनों सदनों की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। दोनों सदनों की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होने के बाद कई बार स्थगित करनी पड़ी। इसके बाद दोपहर 12 बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई, पर विपक्षी नेताओं का हंगामा कम नहीं हुआ, जिसके चलते कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान सभापति जगदीप धनखड़ ने नियम 267 के तहत प्राप्त 20 नोटिसों को खारिज कर दिया। इस माध्यम से विपक्षी नेताओं ने अडानी, संभल, मणिपुर सहित कुछ अन्य मुद्दों पर तत्काल चर्चा की मांग की थी।

धनखड़ ने दिया मर्फी के नियम का हवाला

विपक्ष के नाटिसों को खारिज करते हुए धनखड़ ने संसद की स्थिति की तुलना मर्फी के उस नियम से की जिसमें कहा गया है कि अगर किसी चीज के गलत होने की थोड़ी भी संभावना है, तो वह गलत होगी। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि उच्च सदन में इस नियम को जानबूझकर साकार करने का प्रयास हो रहा है। इससे संसद के सुचारू कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। हम स्वयं वही कर रहे हैं जो संविधान द्वारा अपेक्षित नहीं है। उनके इस कथन से हंगामा और तेज हो गया।

बांग्लादेश और अजमेर पर भी चर्चा की मांग

आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने दिल्ली में बढ़ते अपराध, जबकि उन्हीं की पार्टी के राघव चड्ढा ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर चर्चा के लिए नोटिस दिया था। कांग्रेस की ओर से अजमेर शरीफ दरगाह को लेकर पैदा हुए ताजा विवाद पर चर्चा के लिए नोटिस दिया गया था।

अध्यक्ष के आसन के समीप नारेबाजी

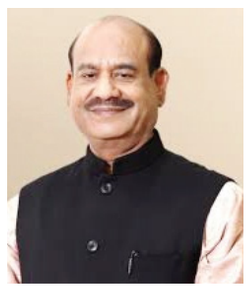

लोकसभा की कार्यवाही आरंभ होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया तो कांग्रेस और सपा सदस्यों ने पिछले सप्ताह की तरह ही आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। बिरला ने उनसे अपने स्थान पर जाने और सदन की कार्यवाही चलने देने की अपील की, पर वे नहीं मानें। इस पर उन्होंने कार्यवाही पूर्वाह्न करीब 11 बजकर पांच मिनट पर दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। दोपहर 12 बजे निचले सदन की बैठक फिर शुरू हुई तो विपक्षी सदस्यों से फिर वैसा की किया। यह देख पीठासीन सभापति संध्या राय ने करीब 12 बजकर आठ मिनट पर सदन की बैठक दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

मंत्री सेंथिल बालाजी को 'सुप्रीम' फटकार

जमानत मिलते ही आप मंत्री बन गए : सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट देखेगी तमिलनाडु मिनिस्टर सेंथिल बालाजी की जमानत से गवाह दबाव में तो नहीं

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार में मंत्री सेंथिल बालाजी को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- ये जानकर हैरानी हुई कि सेंथिल बालाजी को कैश-फॉर-जॉब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 26 सितंबर को जमानत मिलने के दो दिन बाद 28 सितंबर को तमिलनाडु सरकार में कैबिनेट मंत्री बना दिया गया। जस्टिस अभय एस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने कहा- हम जमानत देते हैं और अगले दिन आप (सेंथिल बालाजी) जाकर मंत्री बन जाते हैं। ऐसे में सोचा जा सकता है कि सीनियर कैबिनेट मिनिस्टर के तौर पर आपके पद के कारण गवाह दबाव में होंगे। यह क्या हो रहा है?

13 दिसंबर के बाद होगी अगली सुनवाई

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें सेंथिल बालाजी के जमानत को चुनौती दी गई है। याचिका में कोर्ट से फैसला वापस लेने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि सेंथिल के मंत्री बनने से गवाह दबाव में होंगे। हालांकि, बेंच ने फैसला वापस लेने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि वो जांच के दायरे को इस तक सीमित रखेगी कि क्या गवाह दबाव में हैं। मामले की अगली सुनवाई 13 दिसंबर के बाद होगी।

26 सितंबर को जमानत मिली थी, 28 को मंत्री बने

साल 2011-16 के दौरान AIADMK शासन में बालाजी ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर थे। सेंथिल का नाम नौकरी के बदले नकद रिश्वत लेने के घोटाले में सामने आया था। इसके बाद वे दिसंबर 2018 में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) में शामिल हुए थे। मई 2021 में DMK तमिलनाडु की सत्ता में आई। सेंथिल को ऊर्जा मंत्री बनाया गया था। 14 जून 2024 को ED ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया। 29 जून को उन्हें मंत्रिपरिषद से बर्खास्त किया गया था। करीब तीन महीने बाद 26 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने शर्तों के साथ सेंथिल को जमानत दी थी। इसके दो दिन बाद ही 28 सितंबर को सेंथिल की फिर से तमिलनाडु सरकार में मंत्री के तौर पर वापसी हुई थी। वर्तमान में वे ऊर्जा, एक्साइज और उत्पाद मंत्रालय संभाल रहे हैं।

एक करोड़ और 267 गोल्ड बॉन्ड की चोरी मामले में बड़ा खुलासा

कन्नूर। केरल पुलिस ने दो सप्ताह पहले कन्नूर जिले में एक व्यापारी के आवास एक करोड़ रुपए और 267 गोल्ड बॉन्ड की चोरी के मामले में उसके पड़ोसी

को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान 45 वर्षीय लिजीश के तौर पर की गई है। पुलिस ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए जांच दल का गठन किया गया था। आरोपी को शनिवार को हिरासत में लिया गया। उसने घर की खिड़की तोड़कर चोरी को अंजाम दिया था। कन्नूर पुलिस आयुक्त अजित कुमार ने बताया कि आरोपी के घर से 1.21 करोड़ रुपए और 300 सोने के सिक्के बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपने घर में बिस्तर के नीचे एक गुप्त कंपार्टमेंट बनाया था। यहीं वह चोरी का सामान रखता था। सीसीटीवी फुटेज और फिंगरप्रिंट सबूतों से पुलिस को इस मामले में सफलता मिली।

बाथरूम और जूठे बर्तन साफ करेंगे सुखबीर

पूर्व CM बादल से फक्र ए कौम का सम्मान वापस

राम रहीम केस में अकाल तख्त की सजा

एजेंसी । चंडीगढ़

सिख समुदाय की सर्वोच्च लौकिक संस्था श्री अकाल तख्त साहिब ने शिरोमणि अकाली दल सरकार के दौरान डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को दी गई विवादास्पद माफी पर अपना फैसला सुनाया है। सजा में सुखबीर सिंह बादल, कोर कमेटी के सदस्यों और 2015 की अकाली दल सरकार के कैबिनेट नेताओं के लिए प्रतीकात्मक पश्चाताप शामिल है। सुखबीर बादल मामले को लेकर अकाल तख्त में पांच सिंह साहिबानों की बैठक हुई। इसी बैठक के बाद सजा का ऐलान किया गया है। श्री अकाल तख्त साहिब ने सुखबीर बादल और 2015 की अकाली सरकार के अन्य कैबिनेट सदस्यों को स्वर्ण मंदिर में शौचालय साफ करने, बर्तन साफ करने समेत अन्य धार्मिक दंड दिया है। 30 अगस्त को, शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल को श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा 'तनखैया' घोषित किया गया था, जब निकाय ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि पंजाब सरकार के उप मुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष के रूप में सुखबीर सिंह बादल ने कुछ ऐसे फैसले जिनसे 'पंथक स्वरूप' की छवि को नुकसान पहुंचा।

सफ़ाई की ड्यूटी

3 दिसंबर को सुखबीर और अन्य को दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक श्री दरबार साहिब के बाथरूमों की सफ़ाई करनी होगी।

लंगर में सेवा: सफाई के बाद, वे स्नान करेंगे और लंगर (सामुदायिक रसोई) में सेवा करेंगे।

प्रार्थना: उन्हें पश्चाताप के रूप में श्री सुखमनी साहिब का पाठ करना आवश्यक है।

सार्वजनिक प्रायश्चित: सुखबीर सिंह बादल को श्री दरबार साहिब के बाहर भाला लेकर बैठना चाहिए और अपने कुकर्मों को स्वीकार करते हुए तख्ती पहननी चाहिए।

प्रतीकात्मक भेंट

वे 11,000 रुपए के बर्तन में सेवा करेंगे और 11,000 रुपए गोलक (धार्मिक दान पेटी) में दान करेंगे।

वृक्षारोपण

नेताओं को तत्काल 1.25 लाख पौधे लगाने के निर्देश के साथ 1.5 लाख पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आदेश दिया गया है।

BJP नेता राजा दोषी करार

पेरियार की मूर्ति तोड़ने, कनिमोझी पर टिप्पणी करने को लेकर कोर्ट का फैसला

एजेंसी । चेन्नई

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में एक विशेष अदालत ने भाजपा नेता एच. राजा को दो मामलों दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। जिसमें से एक मामला डीएमके सांसद कनिमोझी पर टिप्पणी और दूसरा मामला कुछ साल पहले राज्य में पेरियार की मूर्ति को ध्वस्त करने का मामला है। बता दें कि सांसदों/विधायकों से संबंधित आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालत ने भाजपा के राष्ट्रीय सचिव को दोनों मामलों में छह महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई और कुल 5,000 रुपए का जुर्माना लगाया है।

अदालत ने 30 दिनों के लिए निलंबित की सजा

हालांकि, विशेष अदालत ने उन्हें अपने आदेश के खिलाफ अपील दायर करने के लिए 30 दिनों के लिए सजा निलंबित कर दी। इस मामले में भाजपा नेता ने संवाददाताओं से कहा कि उनके अधिवक्ताओं की टीम कानूनी रूप से मामले का सामना करेगी। बता दें कि, एच. राजा ने कथित तौर पर 2018 में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली थी, जिसमें उन्होंने तमिलनाडु में ईवी रामासामी 'पेरियार' की मूर्तियों को तोड़ने की बात कही थी, जिसके बाद त्रिपुरा में कम्युनिस्ट नेता लेनिन की मूर्ति गिरा दी गई थी। इस मामले में न्यायाधीश ने राजा को छह महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई और भाजपा नेता पर 3000 रुपए का जुर्माना लगाया।

कनिमोझी के खिलाफ सोशल मीडिया पर की थी टिप्पणी

इसी तरह, पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एम करुणानिधि की बेटी कनिमोझी के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों से संबंधित दूसरे मामले में अदालत ने राजा को दोषी पाया। इस पर अदालत ने छह महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई और 3,000 रुपए का जुर्माना लगाया। दोनों मामलों में, राजा को आईपीसी की धारा 153 (दंगा भड़काने के इरादे से उकसाना) और 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) के तहत दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा, उन्हें कनिमोझी के बारे में उनकी टिप्पणियों के लिए आईपीसी की धारा 509 (किसी महिला की गरिमा का अपमान करने के इरादे से शब्द, इशारा या कृत्य) के तहत दोषी पाया गया।

वक्फ विधेयक के खिलाफ खुलकर मोदी सरकार के खिलाफ आईं ममता बनर्जी

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वक्फ विधेयक के मुद्दे पर खुलकर केंद्र सरकार के खिलाफ आ गई हैं। बंगाल विधानसभा में सोमवार को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर विधेयक के जरिए मुस्लिमों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने इस संशोधन विधेयक के पास होने पर भी शंका जताई।

क्या बोलीं ममता बनर्जी?

ममता ने वक्फ विधेयक पर पेश हुए प्रस्ताव पर बहस के दौरान कहा कि केंद्र सरकार ने इस मुद्दे पर राज्य सरकारों को नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि केंद्र ने उनसे वक्फ विधेयक पर चर्चा नहीं की। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने विधेयक पर चर्चा के लिए बनाई गई संयुक्त संसदीय समिति की बैठक में विपक्षी सांसदों को चुप कराए जाने के मसले पर भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा, रजेपीसी में विपक्ष के सदस्यों को बोलने नहीं दिया जाता। इसलिए हमने इसका बहिष्कार किया है।₹ उन्होंने कहा, ₹वक्फ विधेयक के नाम पर एक धर्म को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है। क्या आप हिंदू मंदिर ट्रस्ट्स और चर्च की संपत्ति को लेकर यही करने की हिम्मत कर सकते हैं। जवाब है नहीं। लेकिन आप अपने विभाजन के एजेंडे को विशेष समुदाय को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, क्योंकि यह आपके अनुकूल है।₹ विधेयक के संसद में पास होने पर शंका जाहिर करते हुए ममता ने कहा, ₹क्या भाजपा इस विधेयक को संसद में पास करा पाएगी, जब उसके पास दो-तिहाई बहुमत नहीं है?₹

खुलासा पहले बंद पड़े 606 जमा खाते चालू किए, फिर कर दिए बंद

डाकघरों पर 'नटवरलाल' का साया, 18.60 करोड़ का गबन

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), अहमदाबाद जोनल कार्यालय ने एक ऐसे मामले का खुलासा किया है, जिसमें आरोपी सब पोस्टमास्टरों ने निजी व्यक्तियों के साथ मिलकर सरकारी राशि के दुरुपयोग की साजिश रची। खास बात है कि यहां पर 'नटवरलाल' की भूमिका सरकार डाकघरों के अधिकारियों ने निभाई। आरोपियों ने पहले डाक विभाग में बंद पड़े 606 आवर्ती जमा खातों की लिस्ट निकाली। उन्हें दोबारा से चालू किया। कुछ समय बाद उन्हें फिर से बंद कर दिया। इस जालसाजी के खेल में 18.60 करोड़ रुपए का गबन हो गया। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत इस केस की जांच करते हुए गुजरात में 19 स्थानों पर रेड की है। जालसाजों ने सरकारी राशि का दुरुपयोग करने के लिए डाक महकमे के विभागीय सॉफ्टवेयर में सेंध लगाई।

इस केस में कई जगहों पर तलाशी अभियान

ईडी ने पिछले सप्ताह इस केस में कई जगहों पर तलाशी अभियान चलाया था। इस मामले के तहत गुजरात के डाकघरों में सरकारी धन का जमकर दुरुपयोग किया गया। आरोपी सब पोस्टमास्टरों ने इस फर्जीवाड़े में प्राइवेट लोगों को अपने साथ मिलाया। धोखाधड़ी के जरिए, पहले बंद आवर्ती जमा (आरडी) खातों को फिर से खोला गया। उसके बाद धोखाधड़ी से ही उन खातों को बंद कर दिया गया। आरोपी लोगों ने 606 आवर्ती जमा खातों में पड़ी 18.60 करोड़ रुपए की राशि का दुरुपयोग किया। एक अन्य मामले में, आरोपी ने मेंगनी उप डाकघर, गोंडल डिवीजन, राजकोट, गुजरात में सब पोस्ट मास्टर के रूप में काम करते हुए अन्य लोगों के साथ आपराधिक साजिश रचकर सरकारी धन की राशि 9.97 करोड़ रुपए का दुरुपयोग किया था। इस राशि का दुरुपयोग 2019 से 2022 के बीच हुआ था। आरोपी लोक सेवक ने पुराने केवीपी मूल राशि और पुराने केवीपी ब्याज के मद में मेंगनी उप कार्यालय की दैनिक लेनदेन रिपोर्ट में उपयोगिता उपकरण, एसएपी (विभागीय सॉफ्टवेयर) के माध्यम से मैन्युअल रूप से फर्जी भुगतान अपलोड करने का तरीका अपनाया।

अवध ओझा 'सर' अब कलम नहीं, केजरीवाल की चलाएंगे झाड़ू

एजेंसी । नई दिल्ली

मशहूर कोचिंग टीचर अवध ओझा आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। दिल्ली के पूर्व सीएम और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ओझा को औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता दिलाई। केजरीवाल ने अवध ओझा के गले में पार्टी का पटका और टोपी पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया भी मौजूद थे।

शिक्षा के क्षेत्र में जानामाना नाम : केजरीवाल

ओझा की आम आदमी पार्टी में एंट्री दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले हुए हैं। माना जा रहा है कि अवध ओझा दिल्ली में आम आदमी पार्टी के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि, इस सवाल को लेकर पार्टी की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया। इस मौके पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अवध ओझा शिक्षा के क्षेत्र में इस देश का जानामाना नाम हैं। केजरीवाल ने कहा कि इन्होंने लाखों-करोड़ों बच्चों, युवाओं को शिक्षा दी और रोजगार के लिए तैयार किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अवध ओझा का बड़ा योगदान है। ओझा के पार्टी में शामिल होने के बाद दिल्ली में शिक्षा को मजबूती मिलेगी।

राजनीति के जरिये शिक्षा का विकास

पार्टी में शामिल होने के बाद अवध ओझा ने अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन दोनों लोगों ने मुझे राजनीति में आकर शिक्षा में काम करने का अवसर दिया है। अवध ओझा ने कहा कि शिक्षा समाज, परिवार और राष्ट्र की आत्मा है, जितने भी देश महान हुए उनके बैकग्राउंड में कहीं ना कहीं शिक्षा का योगदान रहा। अवध ओझा ने कहा कि राजनीति में आकर शिक्षा का विकास मेरा सर्वोत्तम उद्देश्य है।